दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005 www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 171 ■ दमण, शुक्रवार 27, मार्च 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

भूमि अधिग्रहण पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, आर्थिक बोझ के नाम पर सरकार उचित मुआवजा नहीं रोक सकते

भूमि अधिग्रहण के मामलों में प्रभावित लोगों के अधिकार सर्वोपरि हैं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने भूमि अधिग्रहण से जुड़े महत्वपूर्ण मामले में बड़ा फैसला सुनाकर स्पष्ट किया कि मुआवजे और ब्याज की राशि सरकार या किसी प्राधिकरण पर पड़ने वाले वित्तीय बोझ के आधार पर तय नहीं हो सकती। शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की पुनर्विचार याचिका को खारिज कर कहा कि उचित मुआवजा देना एक संवैधानिक अधिकार है, जिसे कमजोर नहीं किया जा सकता। यह मामला 2019 के फैसले से जुड़ा था, इसमें कहा गया था कि राजमार्ग परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण पर मुआवजा और ब्याज के प्रावधान केवल भविष्य में लागू होगा। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 4 फरवरी 2025 के अपने फैसले में इस पूर्वव्यापी रूप से लागू करने का आदेश दिया, जिससे पहले से अधिग्रहित जमीन के मालिकों को भी लाभ मिल सके। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत किसानों और भूस्वामियों को 9 प्रतिशत ब्याज का अधिकार है, न कि एनएचएआई अधिनियम के तहत सीमित 5 प्रतिशत। इस फैसले के खिलाफ एनएचएआई ने यह कहकर पुनर्विचार याचिका दायर की थी कि इससे उस पर लगभग 29,000 करोड़ रुपये का भारी वित्तीय बोझ पड़ेगा, जबकि पहले यह आंकड़ा केवल 100 करोड़ रुपये बताया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने तर्क को खारिज किया। शीर्ष अदालत ने कहा कि भले ही वित्तीय अनुमान में बदलाव हो, इससे पहले दिए गए फैसले के गुण-दोष पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता नहीं बनती। सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया कि आर्थिक बोझ मुआवजे से इंकार करने का वैध आधार नहीं हो सकता। इस फैसले से यह स्पष्ट संदेश जाता है कि भूमि अधिग्रहण के मामलों में प्रभावित लोगों के अधिकार सर्वोपरि हैं। सरकार या एजेंसियां वित्तीय कठिनाइयों का हवाला देकर उचित मुआवजा देने से बच नहीं सकतीं। यह निर्णय किसानों और जमीन मालिकों के हितों को मजबूत करने वाला माना जा रहा है।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की पुनर्विचार याचिका खारिज

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने NHAI की इस याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि सिर्फ वित्तीय दायित्व बढ़ने का तर्क मुआवजा घटाने के लिए वैध आधार नहीं हो सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सोलेटियम और ब्याज के अनुदान को केवल इसलिए नहीं रोका जा सकता, क्योंकि सरकार पर इससे बड़ा आर्थिक बोझ पड़ेगा। न्यायसंगत मुआवजे की संवैधानिक गारंटी को किसी भी प्रशासनिक या वित्तीय मजबूरी के कारण कमजोर करना संभव नहीं है।

दमण में रामनवमी पर भगवान श्रीराम की निकली भव्य शोभायात्रा : जय श्रीराम से गूंज उठा शहर

■ दमण शहर के मुख्य मार्गों पर जगह-जगह श्रीराम शोभायात्रा का हुआ भव्य स्वागत : पुष्प वर्षा के साथ भक्तों ने भगवान श्रीराम का किया सुस्वागतम्

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 26 मार्च। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी पर आज दमण शहर में श्रीराम की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में पूरा श्रद्धा का जनसैलाब उमड पडा। श्रीराम शोभायात्रा समिति द्वारा वड चौकी से निकाली गई श्रीराम शोभायात्रा में केसरिया साफा और केसरिया झंडा लेकर बडी संख्या में लोग शामिल हुए। शोभायात्रा के दौरान भक्तों ने श्रीराम परिवार के दर्शन किये। दमण शहर के मुख्य मार्गों पर जगह-जगह श्रीराम शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। साथ ही पुष्प वर्षा के साथ भक्तों ने भगवान श्रीराम का स्वागत किया। श्रीरामनवमी के पावन अवसर पर गुरूवार को शहर से लेकर गांव तक नजारा भगवामय दिखा। आस्था का मिसाल बन चुकी रामनवमी शोभायात्रा पूरे शहर को राममय कर दिया। हाथ में गदा, लाठी एवं तलवार लिए रामभक्त अबीर गुलाल उड़ाते बस यही संदेश दे रहे थे कि मर्यादा पुरूषोत्तम के गुणगान से ही अमंगल कार्य दूर हो सकता है। समाज एवं राष्ट्र में शांति-समृद्धि के लिए श्रीराम के पदचिन्ह को जीवन में उतारना ही होगा। जय श्रीराम, जय हनुमान की गर्जना से पूरा शहर गूंज रहा था। श्रीराम के स्वागत के लिए सडक के किनारे बडी संख्या में युवाओं, महिलाएं और पुरूषों की मौजूदगी रही। अनेक नागरिकों ने रामभक्तों की सेवा के लिए पीने का पानी, शरबत, फ्रूट एवं मिठाई सहित के स्टॉल भी लगाये थे। श्रीराम शोभायात्रा में संघ प्रदेश श्रीडी प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल, पूर्व सांसद लालू पटेल, डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल, दमण जिला पंचायत प्रमुख धरम पटेल, दमण जिला भाजपा प्रमुख भरत पटेल, काउंसिलरों में अस्पी दमणिया, तमन्ना मिठाणी, सिंपल टंडेल, नीला राणा, कपिला ओड, पीयूष पटेल, जयंती पटेल, प्रवीणा राणा, सरपंचों में फाल्गुनी पटेल, वर्षिका पटेल, सविता पटेल, सुनीता पटेल, भूपेन्द्र पटेल, जिला पंचायत सदस्यों में मुकेश गोसावी, शीतलभाई पटेल, हर्षल पटेल, धनसुख पटेल, दिलीपनगर डेवलपमेंट एसोसिएशन के प्रमुख लखम टंडेल, पूर्व जिला पंचायत प्रमुख बाबू पटेल और उनकी टीम, सुरेश ओड, तनोज पटेल सहित अन्य समाजसेवियों ने भगवान श्रीराम की आरती उतारकर स्वागत किया।

चार्ली चैपलिन की अपील : युद्ध ख़त्म करो शांति के मार्ग पर चलो

-नो वार की तख्ती और गुलाब का फूल लेकर लोगों में उत्साह जगा रहें

पटना (बिहार) (एजेंसी)। चार्ली चैपलिन द्वितीय हीरो राजन कुमार ने ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध को रोकने की अपील की हैं। वह पटना में भगवान बुद्ध की मूर्ति के सामने खड़े होकर लोगों की समस्या को देखते हुए युद्ध को तत्काल रोकने का निवेदन कर रहे हैं ।हीरो राजन कुमार एक कलाकार के साथ - साथ एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं ।वह सदैव सामाजिक मुद्दों पर जनहित में आवाज उठाते हैं। दुनियाभर में युद्ध के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं,जिसमें 1000 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन हो चुके हैं। लंदन में 30,000 से ज्यादा लोगों ने सड़कों पर उतरकर युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन किया, जबकि मैड्रिड, एथेंस, एम्स्टर्डम, एडिनबर्ग, मॉन्ट्रियल, जर्मनी और ऑस्ट्रिया में भी विरोध प्रदर्शन तेज हुए हैं। चार्ली चैपलिन द्वितीय का युद्ध ख़त्म करने को लेकर अपील का अंदाज़ हाथ में नो वार की तख्ती और गुलाब का फूल लेकर लोगों में उत्साह जगा रहें हैं।

नाबालिगों के यौन शोषण मामले में फंसे बीजेपी नेता के बेटे के खिलाफ जांच तेज

-गोवा के डीजीपी ने क्राइम ब्रांच को सौंपा मामला, बोले- निष्पक्षता से होगी जांच

पणजी (एजेंसी)। गोवा पुलिस ने नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण के गंभीर आरोपों में फंसे बीजेपी पार्षद के बेटे सोहम नाइक के खिलाफ अपनी जांच तेज कर दी है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए अब यह मामला क्राइम ब्रांच को सौंपा गया है। गोवा के डीजीपी ने जनता और पीड़ित परिवारों को आश्वासन दिया है कि पुलिस बिना किसी दबाव के निष्पक्षता से काम कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजीपी ने कहा कि इस मामले को क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर करने के पीछे ठोस कारण हैं। यह मामला अत्यंत संवेदनशील है और इसमें कई कड़ियों को जोड़ने के लिए गहराई से तफ्तीश की जरूरत है। स्थानीय थानों पर कानून-व्यवस्था का भारी बोझ होता है, जबकि क्राइम ब्रांच का मुख्य ध्यान केवल जांच पर केंद्रित रहता है। जटिल आपराधिक मामलों को सुलझाने के लिए क्राइम ब्रांच के पास विशेषज्ञता और ज्यादा समय उपलब्ध होता है। आरोपी के राजनीतिक रसूख को लेकर उठ रहे सवालों पर डीजीपी ने भरोसा दिलाया कि गोवा पुलिस तेजी से और निष्पक्ष जांच कर रही है। किसी के मन में कोई शक नहीं होना चाहिए। अगर कोई बड़ा डेवलपमेंट होता है, तो इसकी जानकारी दी जाएगी। फिलहाल सोहम नाइक पुलिस की गिरफ्त में है और क्राइम ब्रांच उन सभी नाबालिगों से जुड़े सबूत जुटा रही है जिनका शोषण किए जाने का आरोप है। पुलिस इस मामले में किसी भी बड़े नेटवर्क या अन्य संदिग्धों की संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

अलग-अलग जगह से 30 लाख से ज्यादा का नशा पकड़ा, राजस्थान में 5 बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) नशे के खिलाफ एक बड़े अभियान के तहत एक ही दिन में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पांच बड़ी कार्रवाई कर करीब 30 लाख 32 हजार रुपये के मादक पदार्थ जब्त किए। इस ऑपरेशन में कुल 4 किलो अफीम, 15 किलो गांजा और 18 किलो डोडा पोस्त बरामद किया। यह अभियान एडीजी दिनेश एमएन के मार्गदर्शन और आईजी विकास कुमार के नेतृत्व में चलाया गया। भीलवाड़ा के मांडल क्षेत्र में पुलिस ने चित्तौड़गढ़ निवासी मुकेश कुमार ढोली को 2.058 किलो अवैध अफीम के साथ गिरफ्तार किया, जो जयपुर सप्लाई करने की तैयारी में था। श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ इलाके में माणकसर ओवरब्रिज के पास योगेश कुमार अरोड़ा को 1.062 किलो अफीम और 15.04 किलो डोडा पोस्त के साथ पकड़ा गया। बाड़मेर के धनाऊ में 'श्री बजरंग बली एंटरप्राइजेज' नामक किराना दुकान से अवैध नशे का कारोबार करने वाले देराजराम जाट को बोगस ग्राहक के जरिए 690 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया। बारां में बीना-कोटा पैसेंजर ट्रेन से नशा ला रहे मलखान माली को रेलवे स्टेशन पर 15.282 किलो गांजे के साथ पकड़ा गया। हनुमानगढ़ के टिब्बी थाना क्षेत्र में मलखेड़ा गांव के पास एक क्रेटा कार से प्रशिक्षित स्निफर डॉग की मदद से 2.600 किलो डोडा पोस्त बरामद किया।

कोलकाता में पार्टी के दौरान दो गुटों में जबरदस्त फायरिंग, टीएमसी समर्थक ने तोड़ा दम

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता में एक पार्टी के दौरान हुई हिंसक घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी। कोलकाता के वार्ड नंबर 101 में दो गुटों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि गोलाबारी शुरू हो गई। इस घटना में 36 वर्षीय राहुल दे की मौत हो गई, जबकि जीत मुखर्जी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका इलाज जारी है। पुलिस के अनुसार, यह घटना रात करीब 12:30 बजे की है, जब एक इमारत की छत पर पार्टी चल रही थी। बताया गया कि जीत मुखर्जी ने अपने घर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें राहुल को भी आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद कुछ लोग छत पर बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान अचानक विवाद शुरू हुआ और देखते ही देखते फायरिंग हो गई। मौके से कई खाली कारतूस बरामद किए गए हैं, जिससे साफ है कि कई राउंड गोलियां चलाई गईं। प्राथमिक जांच में यह सामने आया है कि विवाद पैसों के बंटवारे को लेकर हुआ हो सकता है। घटना के बाद वहां मौजूद अन्य लोग डरकर भाग गए। पड़ोसियों ने गोली चलने की आवाज सुनकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस जब मौके पर पहुंची, तब तक राहुल और जीत दोनों घायल अवस्था में पड़े थे।

दुनिया के सबसे लोक्रपिय नेता बने पीएम मोदी, बीजेपी का तंज... कांग्रेस को इस बात से तकलीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व के सबसे लोकप्रिय लोकतांत्रिक नेता के रूप में शीर्ष पायदान पर कायम है। हाल ही में मॉर्निंग कंसल्ट द्वारा कराए गए वैश्विक सर्वेक्षण में उन्हें 68 प्रतिशत अनुमोदन रेटिंग प्राप्त हुई है, जो उनके निरंतर घरेलू समर्थन और बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मान्यता को दिखाता है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह भारत के लिए अत्यंत गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता बने हुए हैं। यह उनकी विश्वसनीयता को दिखाता है। यह भारत और पूरी दुनिया के लोगों के उनके नेतृत्व में विश्वास को दिखाता हैज.....प्रधानमंत्री मोदी, जो भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले राष्ट्राध्यक्ष भी हैं, सत्ता समर्थक रुख, लोकप्रियता, निर्भरता और विश्वसनीयता का प्रतीक हैं।

बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने भारत की वैश्विक उपलब्धियों पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया की आलोचना कर कहा कि लेकिन दूसरी ओर, जब भी भारत को कोई वैश्विक पहचान मिलती है, तब कांग्रेस पार्टी को तकलीफ होती और वहां निराशावाद फैलाना शुरु कर देती है। यह ग्लोबल रेटिंग कांग्रेस के पूरे दावे को ध्वस्त करती है। कांग्रेस कहती है कि पीएम मोदी तानाशाह हैं, लेकिन वे सिर्फ चुनाव जीत रहे हैं और उनकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। 2 से 8 मार्च, 2026 के बीच एकत्रित की गई ये रेटिंग ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग ट्रैकर का हिस्सा हैं और प्रत्येक सर्वेक्षण किए गए देश में वयस्कों की राय का सात-दिवसीय मूविंग औसत को दिखाती हैं। सर्वेक्षण में पीएम मोदी को अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के नेताओं से काफी आगे दिखाया गया है। स्विट्जरलैंड के राष्ट्रपति गाय पार्मेलिन और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्यंग 62 प्रतिशत अनुमोदन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। तुलनात्मक रूप से, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की रेटिंग 39 प्रतिशत है, जबकि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की रेटिंग 24 प्रतिशत है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन सर्वेक्षण में शामिल नेताओं में सबसे निचले स्थान पर हैं, उनकी अनुमोदन रेटिंग 17 प्रतिशत और अस्वीकृति रेटिंग 75 प्रतिशत है।

मैंने राम मंदिर का कभी विरोध नहीं किया, निर्माण के लिए दान भी दिया

अयोध्या पहुंचे दिग्विजय सिंह हनुमान गढ़ी और राम मंदिर में किए दर्शन

अयोध्या (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह गुरुवार को अयोध्या पहुंचे। दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर में पूजा-अर्चना की और कहा कि उन्होंने मंदिर निर्माण का कभी विरोध नहीं किया, बल्कि इसके विपरीत मंदिर ट्रस्ट को दान भी दिया। दिग्विजय सिंह गुरुवार को अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचे और वहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राम नवमी के शुभ अवसर पर मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं। भगवान राम का आशीर्वाद सभी पर बना रहे। राहुल गांधी के अयोध्या दौरे से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से इसके बारे में पूछिए, उन्हें इस पर कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद दिग्विजय सिंह ने हनुमान गढ़ी और राम मंदिर में दर्शन किए। बता दें कांग्रेस पार्टी ने जनवरी 2024 में हुए प्राण-प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकरा दिया था, जिसे उसने चुनावी हितों से प्रेरित एक राजनीतिक कदम बताया था। पार्टी ने यह भी कहा था कि उस समय मंदिर का निर्माण कार्य अधूरा था और यह आयोजन पूरी तरह से धार्मिक न रहकर एक पक्षपातपूर्ण रूप ले चुका था। इस मुद्दे पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए दिग्विजय सिंह ने अपनी निजी राय स्पष्ट करते हुए कहा कि मैंने इसका कभी विरोध नहीं किया। मैंने दान के माध्यम से अपना योगदान दिया। मैं यहां राजनीति करने नहीं आया हूं। दिग्विजय सिंह के अयोध्या दौरे पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज है। बीजेपी ने उनकी आलोचना करते हुए कहा कि राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए कांग्रेस नेतृत्व को पहले भी आमंत्रित किया गया था, लेकिन उन्होंने उसमें शामिल न होने का फैसला किया था। भोपाल से बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने तंज कसते हुए कहा कि मैं उनसे अनुरोध करूंगा कि राम मंदिर की अपनी यात्रा के दौरान वे कृपया उन शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करें, जिन्होंने 1992 में गोलियां खाई थीं। अगर देश के राजनीतिक नेतृत्व ने इस सच्चाई को पहले ही समझ लिया होता, तो अयोध्या में राम मंदिर कई साल पहले ही बन गया होता।

बंगाल में न्यायिक जांच 32 लाख मामले निपटाए, 13 लाख नाम और हटाए

-अब तक 76 लाख वोटर्स के नाम कटे, चुनाव आयोग ने दिया नया आंकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट को लेकर चुनाव आयोग के अधिकारी ने कोलकाता में बताया कि अब तक कुल 76 लाख से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। पहले एसआईआर यानी मतदाता सूची जांच के दौरान 58 लाख नाम हटाए गए। इससे राज्य के कुल वोटर 7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ रह गए। अब जो नाम अंडर एडजुडिकेशन यानी न्यायिक जांच में थे। उनमें से 32 लाख मामले निपटाए गए हैं। इनमें से 40 फीसदी यानी करीब 13 लाख नाम और हटाए जा रहे हैं। दोनों मिलाकर कुल 76 लाख के करीब नाम लिस्ट से हटाए जा चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभी भी 28 लाख मामले बाकी हैं। राज्य में 705 न्यायिक अधिकारी इन मामलों को निपटाने में लगे हैं। चुनाव आयोग ने सोमवार को पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी की थी, जिसमें 10 लाख नाम अपलोड किए गए, लेकिन आयोग ने यह नहीं बताया कि इनमें से कितने हटाए गए जिस पर कई लोगों ने नाराजगी जताई। अगली लिस्ट हर शुक्रवार को जारी होगी। 29 लाख मामले हटाए गए थे लेकिन उनमें से सिर्फ एक तिहाई ही पहली लिस्ट में आ सके। वजह न्यायिक अधिकारियों की ई-साइन यानी डिजिटल हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी। बाकी नाम धीरे-धीरे जारी किए जाएंगे।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कलकत्ता हाईकोर्ट में अपील की है कि उन्हें हर रोज सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी करने की इजाजत दी जाए, लेकिन कोर्ट ने कहा कि इस मामले की सुनवाई 27 मार्च के बाद होगी। 76 लाख नाम हटाना यह बहुत बड़ा आंकड़ा है। सीएम ममता बनर्जी पहले ही इसे लेकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमलावर हैं। आरोप है कि यह एक खास समुदाय के वोट काटने की कोशिश है। चुनाव आयोग का कहना है कि मृत, पलायन किए, डुप्लीकेट और न मिलने वाले लोगों के नाम हटाए गए हैं।

इजराइल से संबंध के आरोप पर जयशंकर का जबाव... भारत अब किसी बाहरी दबाव में नहीं झुकता

इजराइल रणनीतिक और तकनीकी सहयोग में अग्रणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की विदेश नीति ने हाल ही में एक नया आयाम प्राप्त किया है। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सर्वदलीय बैठक में बेबाकी और ठोस अंदाज में बताया कि भारत अब किसी बाहरी दबाव में नहीं झुकता और अपने राष्ट्रीय हितों के लिए हर मोर्चे पर संतुलित और आक्रामक रणनीति रखता है। उन्होंने कहा कि इजराइल ने भारत को सैन्य संघर्षों में महत्वपूर्ण मदद दी और रक्षा प्रौद्योगिकी में भरोसेमंद साझेदार साबित हुआ। यह बयान पहले छुपी हुई कूटनीतिक हकीकत को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने जैसा था। बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया कि अमेरिका भारत का प्रमुख व्यापारिक साझेदार और उच्च तकनीक का स्रोत है, जबकि इजराइल रणनीतिक और तकनीकी सहयोग में अग्रणी है। विपक्ष द्वारा अमेरिका और इजराइल के साथ भारत की नजदीकियों पर सवाल उठने के बावजूद, जयशंकर ने इन सवालों का जवाब तथ्यों के साथ दिया। जयशंकर ने बैठक को संबोधित कर कहा कि भारत ने कई मोर्चों पर अपनी ताकत दिखाई है। इजराइल के साथ मजबूत रक्षा संबंधों के साथ ही भारत ने ईरान के साथ भी संतुलित और स्थिर संबंध बनाए रखे। होर्मुज जलडमरूमध्य से चार भारतीय जहाजों को सुरक्षित गुजरने की अनुमति देने जैसे कदम भारत की सामरिक स्थिति की मजबूती को दिखाते हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता के निधन पर भारत ने समय पर शोक संवेदना व्यक्त कर यह संदेश दिया कि वह किसी एक पक्ष के साथ खड़ा नहीं होता।

साथ ही, खाड़ी देशों में रहने वाले अस्सी लाख भारतीयों की सुरक्षा को प्राथमिकता देकर भारत ने संतुलन बनाए रखा। ईरानी ड्रोन और मिसाइल हमलों के बीच न ईरान से दूरी बनाई और न ही खाड़ी देशों की अनदेखी की। कोच्चि बंदरगाह पर ईरानी नौसैनिक जहाज को सुरक्षित ठिकाना देने से भारत की समुद्री रणनीति और निर्णायक भूमिका भी उजागर हुई। अब भारत की यह रणनीति वैश्विक मंच पर और स्पष्ट होगी। जयशंकर जी-7 देशों की विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने फ्रांस गए हैं, जहां भारत न केवल अपनी बात रखेगा, बल्कि द्विपक्षीय वार्ता के जरिए नए समीकरण भी बनाएगा। रणनीतिक दृष्टि से भारत ने अमेरिका, इजराइल और ईरान जैसे तीन बड़े शक्ति केंद्रों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखकर यह दिखाया कि वह वैश्विक राजनीति में अपनी रणनीति समझदारी से लागू करने में सक्षम है। भारत अब वैश्विक एजेंडा तय करने वाला देश बन चुका है। वह अपने हितों को सर्वोपरि रखता है, अपनी शर्तों पर संबंध बनाता है और जरूरत पड़ने पर हर मोर्चे पर सख्त रुख अपनाता है। नया भारत न तो दबाव में आता है, न भ्रम में पड़ता है। यह देश वैश्विक राजनीति के शतरंज पर हर चाल सोच-समझकर चलाता है और हर बार खेल को अपने पक्ष में मोड़ देता है।

सिख समुदाय के खिलाफ बड़े पैमाने पर हिंसा, एक तरह से नरसंहार जैसा

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1984 दंगे से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए की सख्त टिप्पणी

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1984 कानपुर सिख विरोधी दंगे से जुड़ी याचिका पर सुनवाई करते हुए सख्त टिप्पणी की है। सिख विरोधी दंगे से जुड़े मामलों को रद्द करने वाली याचिकाओं को खारिज करते हुए हाईकोर्ट ने इसे भीषण नरसंहार बताते हुए आपराधिक कार्यवाही जारी रखने का आदेश दिया है। जस्टिस अनिश कुमार गुप्ता की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने 9 आरोपियों द्वारा दायर 7 याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि केवल देरी या मूल रिकॉर्ड के अभाव के आधार पर मुकदमा खत्म नहीं किया जा सकता।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रदीप अग्रवाल व अन्य की तरफ से हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। याचिका दाखिल कर चार्जशीट एवं सीजेएम कानपुर नगर की कोर्ट में चल रही आपराधिक केस कार्यवाही को रद्द करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने कहा कि यह घटनाएं देशभर में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिख समुदाय के खिलाफ बड़े पैमाने पर हुई हिंसा का हिस्सा थीं, जो एक तरह से नरसंहार जैसा था। आरोपियों ने दलील दी थी कि मूल दस्तावेज जैसे एफआईआर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आदि उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए निष्पक्ष विचारण संभव नहीं है। साथ ही उन्होंने गवाहों के बयान में देरी और पहचान पर भी सवाल उठाए थे।

कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले ही इन मामलों की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल गठित किया जा चुका है और फिर जांच के आदेश दिए, भले ही मूल रिकॉर्ड उपलब्ध न हों। प्रदेश सरकार की ओर से कहा गया कि उस समय जल्दबाजी में अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर आरोपियों को बचाने की कोशिश की गई। कोर्ट ने भी माना कि कई रिकॉर्ड नष्ट हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद गवाहों के स्पष्ट बयान और पुनर्निर्मित एफआईआर के आधार पर मामला बनता है।

कोर्ट ने कहा कि गवाहों ने आरोपियों की पहचान की है और घटनाओं का विस्तृत विवरण दिया है, जिससे प्रथम दृष्टया मामला बनता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इतने गंभीर मामलों में केवल समय बीत जाने के आधार पर कार्यवाही खत्म नहीं की जा सकती। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों का भी हवाला दिया गया साथ ही एक आरोपी द्वारा कहा गया कि घटना स्थल पर मौजूद न होने के तर्क को अदालत ने ट्रायल के दौरान साबित करने योग्य बताया। हाईकोर्ट ने कहा कि इस आधार पर मामला खत्म नहीं किया जा सकता है। हाइकोर्ट ने सभी याचिकाएं खारिज कर दीं और ट्रायल कोर्ट में चल रही कार्यवाही को जारी रखने का रास्ता साफ कर दिया।

शांति के लिए पहल नहीं कर रहा भारत... केंद्र के इस रुख से दुखी हुए कांग्रेस नेता शशि थरूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को सुलझाने के प्रयासों में पाकिस्तान की भूमिका पर निराशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारत को, अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और दोनों पक्षों से संबंधों को देखकर कूटनीतिक नेतृत्व करना चाहिए था। अमेरिका और ईरान के बीच गुप्त मध्यस्थता के प्रयासों में पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र की भूमिका की खबरों पर प्रतिक्रिया देकर थरूर ने कहा कि उन्होंने पहले भारतीय सरकार के सतर्क रुख का समर्थन किया था, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि नई दिल्ली एक रचनात्मक शांति पहल करेगा। थरूर ने कहा कि मुझे यह कहते हुए खेद हो रहा है कि फिलहाल हालात अच्छे नहीं हैं। यह हम सभी के लिए थोड़ा शर्मनाक है.....मैंने ईरान युद्ध पर मोदी सरकार के संयम और चुप्पी का समर्थन इसकारण किया था क्योंकि मुझे उम्मीद थी कि केंद्र सरकार इसका इस्तेमाल शांति स्थापित करने के लिए करेगी और शांति की अगुवाई करेगी, जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि भारत को करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिणाम उन उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं।

कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि उन्होंने भारत से बार-बार आग्रह किया था कि वह अपनी राजनयिक सद्भावना का उपयोग कर संबंधित देशों के बीच सार्थक बातचीत को बढ़ावा दे। उन्होंने जोर दिया कि नई दिल्ली के संतुलित संबंध उस शांति पहल शुरू करने में एक अनूठा लाभ दे सकते थे। उन्होंने कहा कि देखिए, अगर पाकिस्तान में शांति वार्ता होती है,तब भारत का इससे कोई लेना-देना नहीं है। मैं करीब तीन सप्ताह से भारत से आग्रह कर रहा हूं कि वे दोनों पक्षों के साथ अपने अच्छे संबंधों का लाभ उठाकर शांति पहल में अग्रणी भूमिका निभाए। अब, जाहिर तौर पर, पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की ने ऐसा कर दिया है। उन्हें शुभकामनाएं, हम सभी शांति चाहते हैं। लेकिन जब पाकिस्तान शांति वार्ता कर रहा है, तब भारत को कोई श्रेय नहीं मिल रहा है। थरूर की ये टिप्पणियां केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के संदर्भ में आईं, जहां मोदी सरकार ने विपक्षी नेताओं को आश्वस्त किया कि पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत समान स्थिति में बना हुआ है।

ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध खत्म होते ही शुरु होगा असली संकट !

-होर्मुज पर टोल सिस्टम करेगा लागू, भारत भी आ सकता है इसकी चपेट में

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजराइल-अमेरिका के युद्ध ने अभी तक जो नुकसान कराया, वह तो सिर्फ एक झलक थी। असली संकट तो अब शुरू हुआ है, क्योंकि अभी तक जो काम फ्री में हो जाता था, उसके लिए ईरान ने करोड़ों रुपये वसूलने शुरू कर दिए हैं। इसका असर दुनिया के तमाम देशों पर पड़ेगा और इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारत भी इसकी चपेट में आ सकता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के दौरान ईरान ने जितना नुकसान मिसाइलें दागकर नहीं किया, उससे ज्यादा चपत होर्मुज जलडमरूमध्य का रास्ता बंद करके लगा दी है। यही वह वजह है, जिसने भारत समेत दुनियाभर को भारी नुकसान पहुंचाया। अब खबर है कि ईरान भले ही युद्ध खत्म होने के बाद इस रास्ते को खोल देगा लेकिन यहां से गुजरने वाले जहाजों से वह करोड़ों रुपए की फीस वसूलेगा। ईरान ने एक तरह से यहां टोल सिस्टम लागू कर दिया है, क्योंकि अब उसने हर कॉमर्शियल जहाज से फीस वसूलना शुरू कर दिया है।

ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का 20 फीसदी से ज्यादा तेल गुजरता है। भारत तो इस रास्ते से अपना आधे से भी ज्यादा तेज व गैस खरीदता है। अगर ईरान ने हमें छूट न दी तो निश्चित रूप से हमारे लिए भी तेल खरीदना और महंगा होने वाला है। मामले से जुड़े सूत्रों का कहना है कि ईरान ने फिलहाल हर जहाज के गुजरने पर 20 लाख डॉलर यानी करीब 18 करोड़ रुपए फीस वसूलना शुरू कर दिया है। कुछ जहाजों ने तो यह कीमत चुकाई भी है, जिससे होर्मुज पर अब एक तरह से टोल जैसा माहौल बन गया है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ईरान यह भुगतान किस सिस्टम और करेंसी में वसूल रहा है।

ईरान यह कदम साफ बताता है कि युद्ध के बाद उसकी ताकत और बढ़ गई है। दूसरे शब्दों में कहें तो ईरान ने युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई दुनिया से करने की ठान ली है, जो दिखाता है कि होर्मुज पर उसका कितना प्रभाव है। इस रास्ते से सिर्फ तेल और गैस ही नहीं आता, बल्कि खाने-पीने के सामान और मेटल समेत अन्य कमोडिटी भी बड़ी मात्रा में गुजरती है। सूत्रों का कहना है कि फिलहाल होर्मुज पर यह टोल भुगतान चुपचाप किए जा रहे हैं और कोई भी इसके बारे में खुलकर बात नहीं कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईरान अभी इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों से केस बाई केस के आधार पर फीस वसूल रहा है, लेकिन युद्ध के बाद होने वाले समझौते में उसने होर्मुज पर टोल वसूलने की बात को लेकर शर्त के रूप में पेश करने का विचार भी जताया है। पिछले दिनों ईरान की संसद में भी एक प्रस्ताव दिया गया था कि होर्मुज से अन्य देशों के जहाजों को सुरक्षित गुजरने देने के लिए ईरान अनिवार्य रूप से ट्रांजिट शुल्क वसूल सकता है। इसका सबसे ज्यादा असर खाड़ी देशों के तेल व गैस उत्पादों पर दिखेगा साथ ही यूरोप तक सामान की आवाजाही महंगी हो सकती है।

असली आज़ादी

शुक्रवार 27, मार्च 2026, दमण।

पंचकूला नगर निगम की एफडीआर में कथित गड़बड़ी, बैंक कर्मचारी गिरफ्तार

चंडीगढ़ ।

हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसवीएसीबी) ने पंचकूला नगर निगम की करीब 150 करोड़ रुपये की सावधि जमा रसीदों (एफडीआर) में कथित गड़बड़ी के मामले में पहली गिरफ्तारी की है। कोटक महिंद्रा बैंक के तत्कालीन ग्राहक संबंध प्रबंधक दिलीप कुमार राघव को गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि राघव ने नगर निगम को फर्जी एफडीआर रिपोर्ट भेजी और मुख्य आरोपियों के साथ मिलकर धोखाधड़ी की। नगर निगम का दावा है कि उसके रिकॉर्ड और बैंक रिकॉर्ड में करीब 150 करोड़ रुपये का अंतर है। बैंक विवरण के अनुसार 16 एफडीआर में जमा राशि 145 करोड़ रुपये से अधिक होनी चाहिए थी, जबकि खाते में शुरुआत में केवल 2.17 करोड़ रुपये और बाद में 12.85 करोड़ रुपये दिखाई दी, जो निगम के आंकड़ों से मेल नहीं खाती। बैंक ने कहा कि सभी लेनदेन बैंकिंग नियमों के तहत हुए और उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। एसवीएसीबी ने इस मामले में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी और आपराधिक साजिश का मामला दर्ज किया है। जांच अभी जारी है और अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है।

सुनील मित्तल एयरटेल अफ्रीका के चेयरमैन पद से होंगे रिटायर

नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में गोपाल विट्टल को किया गया नियुक्त

नई दिल्ली ।

भारत की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल की अफ्रीकी शाखा एयरटेल अफ्रीका में बड़ा नेतृत्व बदलाव होने जा रहा है। कंपनी के निदेशक मंडल ने कहा कि संस्थापक सुनील भारती मित्तल जुलाई में वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद एयरटेल अफ्रीका के चेयरमैन पद से रिटायर होंगे। यह कदम कंपनी की उत्तराधिकार योजना का हिस्सा है और इसके जरिए नेतृत्व में निरंतरता सुनिश्चित की जाएगी। नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के रूप में गोपाल विट्टल को नियुक्त किया गया है। वहीं श्राविन भारती मित्तल, सुनील मित्तल के बेटे, डिप्टी चेयरमैन की जिम्मेदारी संभालेंगे। कंपनी ने कहा कि श्राविन मित्तल संस्थापक परिवार और अहम शेयरधारकों के बीच संपर्क का काम करेंगे और एयरटेल मनी बोर्ड तथा मुख्यालय, दुबई, के साथ बोर्ड संबंधों को बनाए रखेंगे। एयरटेल अफ्रीका की गैर-कार्यकारी निदेशक एनिका पौटियानेन भी जुलाई एजीएम के साथ सेवानिवृत्त होंगी। सुनील मित्तल ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने ऑडिट और जोखिम समिति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बोर्ड की स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद की। सुनील मित्तल ने कहा कि एयरटेल अफ्रीका के पास मजबूत रणनीति और उत्कृष्ट नेतृत्व टीम है। उन्होंने कहा, ÷यह मेरे लिए सम्मान की बात रही कि मैं कंपनी का नेतृत्व कर सका। अब समय आ गया है कि मैं चेयरमैन पद से हटूं, लेकिन जरूरत पड़ने पर कंपनी का समर्थन करता रहूंगा। एयरटेल अफ्रीका 14 अफ्रीकी देशों में सक्रिय है। कंपनी ने 2010 में जेन टेलकॉम का अधिग्रहण करके अफ्रीका में प्रवेश किया था। सुनील मित्तल 2019 में लंदन स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग के बाद से चेयरमैन पद पर थे।

सोने के भाव में तेजी, चांदी भी हुई महंगी

सोने की कीमत 1,44,100, चांदी 2,34,700 रुपए पर

नई दिल्ली ।

कमोडिटी बाजार में कीमती धातुओं ने जोरदार तेजी दिखाई है, जिससे निवेशकों का रुझान एक बार फिर सोना और चांदी की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों धातुओं के दाम में मजबूत बढ़त दर्ज की गई है। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 1,44,100 रुपये तक पहुंच गई है, जिसमें 5,188 रुपये की तेजी देखी गई। इसी तरह चांदी ने भी शानदार प्रदर्शन किया है और इसकी कीमत 2,34,700 रुपये पर पहुंच गई है, जो 10,759 रुपये की बढ़त को दर्शाती है। बाजार जानकारों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता, डॉलर में उतार-चढ़ाव और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के चलते सोना और चांदी दोनों में खरीदारी बढ़ी है। यही वजह है कि दोनों धातुओं में इतनी तेज तेजी देखने को मिल रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर यही रुख जारी रहता है तो आने वाले दिनों में सोना और चांदी के दाम में और भी उछाल आ सकता है। ऐसे में निवेशकों के लिए यह समय रणनीति के साथ निवेश करने का हो सकता है। फिलहाल, बाजार में जारी इस तेजी ने कीमती धातुओं को फिर से सुर्खियों में ला दिया है और आने वाले सत्रों में इनकी चाल पर सबकी नजर बनी रहेगी।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर ।

गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा सामान्य ही रही। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे

चॉदी (9999) 227000, चॉदी (99) 226000, टंच 225500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 147000,

कासलीवाल/पीएम/26 मार्च 2026

देशभर में पेट्रोल-डीजल की मांग में अचानक उछाल

एचपीसीएल ने आश्वासन दिया, ईंधन की कोई कमी नहीं

मुंबई ।

देशभर के पेट्रोल पंपों पर हाल के दिनों में भीड़ बढ़ने लगी है, क्योंकि पेट्रोल और डीजल की मांग में अचानक तेज़ी देखी गई है। सरकारी तेल कंपनी` हिंदुस्तान पेट्रो लियम कारपारेशन` लिमिटेड (एचपीसीएल) के अनुसार, पिछले दो दिनों में ईंधन की बिक्री में 15 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि कुछ क्षेत्रों में यह बढ़ोतरी 50 फीसदी तक पहुंच गई है। एचपीसीएल ने साफ किया है कि यह उछाल मुख्य रूप से अचानक हुई खरीदारी और अफवाहों के कारण है, न कि किसी वास्तविक कमी की वजह से। कंपनी ने कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और सभी सप्लाई सेंटर पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अफवाहों के कारण हुई इस अचानक मांग के उछाल को देखते हुए, जनता को सुरक्षित और संयमित खरीदारी करनी चाहिए।

होटल और रेस्तरां में एलपीजी और ईंधन चार्ज वसूली पर सीसीपीए सख्त

सीसीपीए ने किया स्पष्ट, मेन्यू में लिखी कीमत ही अंतिम

नई दिल्ली ।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने होटल और रेस्तरां संचालकों को चेतावनी दी है कि वे ग्राहकों से एलपीजी, गैस, ईंधन या अन्य परिचालन खर्चों के नाम पर अतिरिक्त शुल्क बिल में न जोड़ें। प्राधिकरण ने यह कदम उपभोक्ताओं से मिली लगातार शिकायतों और मीडिया रिपोर्ट्स के बाद उठाया है। सीसीपीए ने कहा कि मेन्यू में दर्ज कीमत ही अंतिम कीमत होनी चाहिए और इसके अलावा केवल लागू टैक्स ही बिल में अलग जोड़ा जा सकता है। सीसीपीए ने स्पष्ट किया कि एलपीजी, बिजली, गैस और अन्य परिचालन लागत व्यवसाय का हिस्सा हैं और इन्हें मेन्यू कीमत में शामिल करना ही सही तरीका है। इन खर्चों को अलग से वसूलना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 की धारा 2(47) के तहत अनुचित व्यापार व्यवहार माना जाएगा। इससे न केवल पारदर्शिता खत्म होती है बल्कि ग्राहकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ भी पड़ता है। सीसीपीए ने कहा कि कोई भी होटल या रेस्तरां ग्राहकों को किसी भी अतिरिक्त शुल्क के लिए मजबूर नहीं कर सकता। सभी शुल्क स्वैच्छिक होने चाहिए। अगर कोई रेस्तरां या होटल इन नियमों का उल्लंघन करता है, तो प्राधिकरण उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई करेगा। सीसीपीए ने यह भी स्पष्ट किया कि चाहे इन शुल्कों को किसी भी नाम से बुलाया जाए, यह सर्विस चार्ज या अतिरिक्त फीस की श्रेणी में आते हैं। बिल में डिफॉल्ट रूप से शुल्क जोड़ना 4 जुलाई, 2022 के जारी सीसीपीए दिशानिर्देशों का उल्लंघन है।

उड़ान योजना के नए चरण को मंजूरी, 10 वर्षों में 28,840 करोड़ खर्च होंगे

दूरदराज क्षेत्रों में हवाई संपर्क मजबूत करने के लिए 100 नए एयरपोर्ट का होगा विकास

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उड़ान योजना के अगले चरण को मंजूरी दे दी है। इस चरण के तहत 2026-27 से अगले 10 वर्षों में कुल 28,840 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह आवंटन पिछले दशक के मुकाबले काफी अधिक है, जब सरकार ने व्यवहार्यता अंतर निधि (वीजीएफ) और हवाई अड्डों के विकास पर करीब 9,200 करोड़ रुपये खर्च किए थे। नई योजना के तहत बंद पड़ी हवाई पट्टियों को पुनर्जीवित करते हुए 100 हवाई अड्डों का विकास किया जाएगा, जिस पर 12,159 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा, दुर्गम और दूरदराज क्षेत्रों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 3,661 करोड़ रुपये की लागत से 200 आधुनिक हेलीपैड बनाए जाएंगे। सरकार ने यह भी स्वीकार किया है कि क्षेत्रीय हवाई अड्डे सीमित आय और उच्च संचालन एवं रखरखाव लागत की चुनौती से जूझते हैं। इसे देखते हुए अगले तीन वर्षों तक एयरपोर्ट्स को वित्तीय सहायता दी जाएगी। प्रति हवाई अड्डा 3.06 करोड़ रुपये सालाना और हेलीपोर्ट तथा वाटर एरोड्रोम के लिए 90 लाख रुपये तक की सहायता का प्रावधान किया गया है।

इस मद में 2,577 करोड़ रुपये का कुल आवंटन 441 एरोड्रोम के लिए किया गया है। वहीं गैर-लाभकारी हवाई मार्गों पर उड़ान संचालन के लिए एयरलाइंस को वीजीएफ के तहत 10 वर्षों में 10,043 करोड़ रुपये की सहायता दी जाएगी।

सरकार का मानना है कि इस योजना से देश में सस्ती हवाई यात्रा को बढ़ावा मिलेगा और भारत का विमानन क्षेत्र वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनेगा।

कोटक म हिंद्रा बैंक ने सावधि जमा धोखाधड़ी मामले में दर्ज की शिकायत

बैंक नगर निगम द्वारा संचालित जमा और संबंधित खातों का विस्तृत कर रहा मिलान

नई दिल्ली ।

पंचकुला नगर निगम से जुड़े सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट) में कथित धोखाधड़ी के मामले के बाद कोटक महिंद्रा बैंक ने हरियाणा पुलिस में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। बैंक ने कहा कि वह नगर निगम द्वारा संचालित जमा और संबंधित खातों का विस्तृत मिलान कर रहा है। बैंक प्रवक्ता ने बताया कि अब तक मिलान से पुष्टि हुई है कि खाता खोलने की प्रक्रिया, केवायसी दस्तावेज और अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता सही थे और लेन-देन बैंकिंग नियमों के अनुरूप प्रबंधित किए गए। बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन राशि का एक बड़ा हिस्सा नगर निगम के साथ मिलान हो चुका है और प्रक्रिया अब भी जारी है। बैंक ने यह भी कहा कि वह नगर निगम, सरकारी अधिकारियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ पूरी तरह सहयोग कर रहा है। यह मामला हरियाणा सरकार की जमा राशि से जुड़ी अन्य धोखाधड़ी की घटनाओं के बीच सामने आया है। हाल ही में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्माल फाइनेंस बैंक में भी अनियमितताएं पाई गईं। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में चंडीगढ़ शाखा में 645 करोड़ रुपये की विसंगतियों का पता चला, जिसमें कर्मचारियों ने जाली

दस्तावेज़ और भुगतान निर्देशों मंजूर किए। इसमें शामिल कर्मचारियों को निलंबित किया गया और फोरेंसिक ऑडिट के लिए केपीएमजी नियुक्त किया गया। हरियाणा सरकार ने 18 फरवरी को निजी बैंकों में रखे सरकारी खातों को बंद करने का निर्देश दिया।

इसके बाद कई खातों को बंद करने के अनुरोध आए और विसंगतियाँ उजागर हुईं। कोटक महिंद्रा बैंक का मामला अभी जांचाधीन है

और बैंक ने धोखाधड़ी की राशि सार्वजनिक नहीं की है।

बांग्लादेश 56वें स्वतंत्रता दिवस पर आर्थिक और राजनीतिक दबाव में

बांग्लादेश की विकास दर वित्त वर्ष 2022 के बाद लगातार घटती जा रही

नई दिल्ली । बांग्लादेश 26 मार्च को अपना 56वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है, लेकिन देश के सामने आर्थिक चुनौतियां भी हैं। वित्त वर्ष 2016 से 2019 तक देश की जीडीपी में 7 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई थी। कोविड-19 महामारी के दौरान यह विकास दर गिर गई और अर्थव्यवस्था डगमगा गई। महामारी के बाद सुधार हुआ, लेकिन वित्त वर्ष 2022 के बाद विकास दर लगातार घटती रही और वित्त वर्ष 2025 में यह केवल 3.5 फीसदी पर आ गई। मुद्रास्फीति भी लगातार बढ़ी है। वित्त वर्ष 2016 में यह 5.92 फीसदी थी और 2021 तक 6 फीसदी से नीचे रही। हाल के वर्षों में कीमतों में तेज़ी से वृद्धि हुई और वित्त वर्ष 2025 में मुद्रास्फीति 10 फीसदी से अधिक हो गई। बढ़ती महंगाई ने आम नागरिकों की जीवनशैली पर दबाव डाला है। वित्त वर्ष 2016 में व्यापार घाटा 15.78 अरब डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2022 में 50.62 अरब डॉलर तक बढ़ गया। वित्त वर्ष 2024 में यह घटकर 27.3 अरब डॉलर हो गया, लेकिन वित्त वर्ष 2025 में निर्यात में गिरावट के कारण व्यापार घाटा दोबारा बढ़कर 38.19 अरब डॉलर हो गया। देश में समय-समय पर राजनीतिक अस्थिरता रही है। नई सरकार, बीएनपी प्रमुख तारिक रहमान के नेतृत्व में, ऐसे समय में चुनौतियों का सामना कर रही है .

पीएनजी नेटवर्क वाले इलाकों में नहीं मिलेगा एलपीजी सिलेंडर

सरकार एलपीजी संकट से निपटने के लिए पीएनजी को दे रही बढ़ावा

नई दिल्ली। सरकार ने आदेश जारी कर कहा है` कि जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन से प्राकृतिक गैस (पीएनजी) उपलब्ध है, वहां के घरों को पीएनजी कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। यदि कोई उपभोक्ता तीन महीने के भीतर पीएनजी के लिए आवेदन नहीं करता है, तो उस पते पर एलपीजी सिलिंडर की आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। यह नियम केवल उन घरों पर लागू होगा, जहां पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है या बिछाई जा रही है। तकनीकी अड़चन वाले मामलों में अनापत्ति प्रमाण पत्र देना आवश्यक होगा। सरकार का लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों को पीएनजी नेटवर्क से जोड़ना है, ताकि पश्चिम एशिया संकट के चलते एलपीजी की आपूर्ति पर दबाव कम हो। पीएनजी को घरेलू उपयोग के लिए सुविधाजनक और स्थिर ईंधन विकल्प के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जारी आदेश में पाइपलाइन बिछाने और विस्तार के लिए समयबद्ध रूपरेखा दी गई है, जिससे मंजूरी और भूमि तक पहुंच में देरी जैसी अड़चनों को कम किया जा सके। देशभर में अब तक 307 भौगोलिक क्षेत्रों में सीजीडी नेटवर्क विस्तार की मंजूरी दी गई है। 110 क्षेत्रों में 9,046 पीएनजी कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। इसका उद्देश्य एलपीजी पर निर्भरता घटाना और ईंधन

आपूर्ति को स्थिर रखना है। सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी का कुल 50 फीसदी आवंटन सुनिश्चित किया है। और पेट्रोल व डीजल की कोई कमी नहीं है। देशभर के पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। मुंद्रा पोर्ट ने निर्यातकों के लिए 15 दिन तक मुफ्त भंडारण, रेफर प्लग-इन शुल्क में 80 फीसदी छूट और लिफ्ट-ऑन/लिफ्ट-ऑफ व परिवहन शुल्क माफ करने जैसी सुविधाएं शुरू की हैं। इससे पश्चिम एशिया संकट के दौरान निर्यातकों को राहत मिलेगी।

इस निर्णय से घरेलू ईंधन आपूर्ति स्थिर होगी

और पीएनजी का उपयोग बढ़ाकर एलपीजी पर दबाव कम किया जा सकेगा।

जीएसटी कटौती से वाहन और कृषि उत्पादों की बिक्री में उछाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोक सभा में कहा कि सितंबर 2025 में जीएसटी दरों में सुधार लागू करने के बाद देश में आर्थिक गतिविधियों में स्पष्ट बढ़ोतरी देखी गई है। मंत्री ने बताया कि खुदरा यात्री वाहन बिक्री में 26.1 प्रतिशत, ग्रामीण यात्री वाहन बिक्री में 34 प्रतिशत, और दोपहिया वाहन बिक्री में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ट्रैक्टर की बिक्री में भी 36.4 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया। सीमेंट उत्पादन लगभग 9.3 प्रतिशत बढ़ा। वित्त मंत्री ने कहा कि मासिक जीएसटी संग्रह में भी हाल के महीनों में लगातार वृद्धि हुई है। तमिलनाडु में दिसंबर 2025 में 8 प्रतिशत, जनवरी 2026 में 5 प्रतिशत और फरवरी 2026 में 18 प्रतिशत की एसजीएसटी वृद्धि देखी गई। मंत्री ने पहले सुविधा, बाद में प्रवर्तन दृष्टिकोण दोहराया। विलंबित ऑडिट में तकनीकी चूक के लिए निश्चित जुर्माने की व्यवस्था और शून्य कटौती प्रमाणपत्र के लिए नियम-आधारित स्वचालन की घोषणा की। प्राथमिक सहकारी समितियों को दूध, फल, सब्ज़ियां,

पशु चारा और कपास बीज की आपूर्ति पर कर कटौती का लाभ मिलेगा। सदस्यों को मिलने वाले लाभांश पर अनुकूल कर उपचार लागू होगा। भारत के मछली पकड़ने वाले जहाजों को विशेष आर्थिक क्षेत्रों और गहरे समुद्र में शुल्क से छूट मिलेगी। 1 अप्रैल 2026 से लागू नए आयकर प्रावधान अनुपालन सरल बनाएंगे, अपील सीमा बढ़ाएंगे और मुकदमेबाजी कम करेंगे।

डेटा केंद्रों के लिए निवेश प्रोत्साहन घरेलू अवसंरचना निर्माण और स्थानीय मूल्य संवर्धन से जुड़े हैं,

जिसमें निवेश का अनुमान 70 अरब डॉलर है।

ओडिशा और कर्नाटक में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का तेजी से विस्तार

चंद्रिखोल में 400 एकड़ भूमि मंजूर, 363.3 एकड़ के लिए आईएसपीआरएल को मांग पत्र मिल चुका

नई दिल्ली ।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने संसद को जानकारी दी है कि ओडिशा और कर्नाटक में भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर) की विस्तार परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। ओडिशा के चंद्रिखोल में 400 एकड़ भूमि मंजूर हो चुकी है, जिसमें से 363.3 एकड़ के लिए इंडिया स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड (आईएसपीआरएल) को मांग पत्र मिल चुका है। शेष 36.7 एकड़ के लिए जल्द मांग पत्र जारी होने की उम्मीद है। कर्नाटक के पाडुर में भूमि अधिग्रहण का काम लगभग पूरा हो चुका है। देश में पहले से ही आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम और कर्नाटक के मंगलूर और पाडुर में कुल 53.3 लाख टन क्षमता वाले एसपीआर मौजूद हैं। ये भंडार आपूर्ति संकट के समय बफर के रूप में काम करते हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि देश की वर्तमान कुल राष्ट्रीय भंडारण क्षमता 74 दिन की है, जिसमें तेल विपणन कंपनियों की 64.5 दिनों की क्षमता शामिल है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार सदस्य देशों को पिछले वर्ष के शुद्ध आयात के बराबर 90 दिनों का तेल भंडार बनाए रखना होता है। सरकार ने जुलाई 2021 में ओडिशा (चंद्रिखोल) और कर्नाटक (पाडुर) में 65 लाख टन क्षमता वाली दो नई वाणिज्यिक-सह-रणनीतिक भंडार सुविधाओं को पीपीपी मॉडल के तहत मंजूरी दी थी। परियोजना की कुल लागत 14,527 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है,

जिसमें 60 प्रतिशत तक वित्तपोषण का व्यवहार्यता अंतर शामिल है।

पश्चिम एशिया में संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा संकट को देखते हुए सरकार पूरे देश में पर्याप्त स्क्क स्थापित करने पर जोर दे रही है। इन भंडारों से आपूर्ति संकट के समय देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी।

अमेरिका-ईरान तनाव से म्युचुअल फंड एनएफओएस पर ब्रेक

फंड कंपनियों ने 15 मार्च के बाद सिर्फ तीन योजनाओं के लिए दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने भारतीय म्युचुअल फंड इंडस्ट्री को भी प्रभावित किया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मार्च में लगभग दो दर्जन नई योजनाओं को मंजूरी दी है, लेकिन अब तक केवल 9 नई इक्विटी योजनाएं (एनएफओएस) ही लॉन्च हुई हैं। फंड कंपनियों ने 15 मार्च के बाद सिर्फ तीन योजनाओं के लिए दस्तावेज जमा किए, जबकि पहले दो हफ्तों में 19 योजनाओं के लिए फाइलिंग हुई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि मार्च आम तौर पर वित्त वर्ष के अंत का महीना होने के कारण एनएफओएस की संख्या कम रहती है, लेकिन इस साल भू-राजनीतिक अनिश्चितता ने स्थिति और जटिल बना दी है। म्युचुअल फंड इंडस्ट्री के वरिष्ठ प्रतिनिधि का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, बढ़ती मुद्रास्फीति और ब्याज दरों की चिंताओं के कारण निवेशक नई योजनाओं में तुरंत निवेश नहीं कर रहे हैं। फंड कंपनियां इस समय नए एनएफओ लॉन्च करने में हिचकिचा रही हैं और बाजार स्थिर होने का इंतजार कर रही हैं। अमेरिका-ईरान संघर्ष का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा है। मार्च में निफ्टी-50 लगभग 9 फीसदी गिर चुका है। पिछले 18 महीनों में बाजार पहले ही भारी बिकवाली का सामना कर चुका है। भू-राजनीतिक तनाव और तेल की कीमतों में तेजी से निवेशकों का विश्वास कमजोर हुआ है, जिससे व्यापक स्तर पर बिकवाली शुरू हो गई है। म्युचुअल फंड कंपनियां और निवेशक दोनों ही अस्थिर वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू बाजार दबाव को देखते हुए सतर्क हैं। मार्च में एनएफओएस की धीमी रफ्तार और शेयर बाजार में गिरावट संकेत देती है कि निवेशक केवल स्थिरता लौटने के बाद ही नए निवेश करने में रुचि दिखा रहे हैं।

धर्म, जाति और धर्मांतरण: सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक निर्णय

ललित गर्ग

धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है।

धर्म, जाति और धर्मांतरण का प्रश्न भारत के सामाजिक, संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील और जटिल विषय है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया यह निर्णय कि यदि अनुसूचित जाति का कोई व्यक्ति हिन्दू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को स्वीकार कर लेता है तो वह अनुसूचित जाति का संवैधानिक दर्जा और उससे जुड़े लाभों का अधिकारी नहीं रहेगा, केवल एक सामान्य कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारतीय संविधान की मूल भावना, सामाजिक न्याय की अवधारणा और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता को ध्यान में रखकर दिया गया एक दूरगामी और ऐतिहासिक निर्णय है। इस निर्णय को भारतीय न्याय व्यवस्था की परिपक्वता, संतुलन और दूरदर्शिता का प्रतीक कहा जा सकता है।

भारत में अनुसूचित जाति की व्यवस्था का निर्माण किसी धर्म विशेष को लाभ देने के लिए नहीं किया गया था, बल्कि उन सामाजिक वर्गों को संरक्षण और अवसर देने के लिए किया गया था, जो सदियों से सामाजिक भेदभाव, अस्पृश्यता और सामाजिक बहिष्कार का सामना करते रहे थे। संविधान निमार्ताओं ने यह माना था कि समाज में जो ऐतिहासिक अन्याय और सामाजिक असमानता रही है, उसे दूर किए बिना वास्तविक समानता स्थापित नहीं की जा सकती। इसी कारण आरक्षण और विशेष कानूनी संरक्षण की व्यवस्था की गई। यह व्यवस्था मूलतः सामाजिक भेदभाव पर आधारित थी, आर्थिक आधार पर नहीं। इसलिए अनुसूचित जाति का प्रश्न धर्म से अधिक सामाजिक संरचना से जुड़ा हुआ था।

जब कोई व्यक्ति धर्म परिवर्तन कर ऐसे धर्म को स्वीकार करता है, जहां जाति व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाती, तो फिर यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या उसे उसी आधार पर अनुसूचित जाति के लाभ मिलते रहने चाहिए। इसी प्रश्न को लेकर वर्षों से देश में बहस चलती रही है। कई मामलों में यह देखा गया कि व्यक्ति ने धर्म परिवर्तन कर लिया, वह दूसरे धर्म की धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था में सक्रिय भी हो गया, लेकिन वह अनुसूचित जाति के आरक्षण, छात्रवृत्ति, नौकरी में आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट जैसे कानूनों का लाभ लेना चाहता था। इससे एक प्रकार की कानूनी और सामाजिक विसंगति उत्पन्न हो रही थी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी विसंगति को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और यह स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उपयोग उसी सामाजिक संदर्भ में किया जा सकता है, जिसके लिए वे बनाई गई थीं।

धर्मांतरण का प्रश्न भारत में केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं रहा है, बल्कि कई बार यह सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और जनसंख्या संतुलन से भी जुड़ जाता है। देश के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषकर गरीब, वंचित और अनुसूचित जाति तथा जनजाति वर्गों में धर्मांतरण की घटनाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। कई बार धर्मांतरण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सामाजिक सहायता के माध्यम से हुआ, तो कई बार लालच, प्रलोभन, दबाव या सामाजिक परिस्थितियों के कारण भी धर्म परिवर्तन के आरोप लगे। इसी कारण कई राज्यों ने धर्मांतरण को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए, ताकि बल, प्रलोभन या धोखे से होने वाले धर्म परिवर्तन को रोका जा सके, लेकिन इन कानूनों का प्रभाव उतना व्यापक नहीं हो पाया जितनी अपेक्षा थी।

जब किसी विशेष सामाजिक वर्ग का बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन होता है, तो उसका प्रभाव केवल धर्म पर ही नहीं पड़ता, बल्कि जातीय संरचना, सामाजिक संतुलन, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ता है। धीरे-धीरे यह स्थिति सामाजिक और धार्मिक संतुलन को प्रभावित करने लगती है। भारत जैसे बहुधर्मी और बहुजातीय देश में सामाजिक और धार्मिक संतुलन का बने रहना राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज लगातार जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर बदलता और विभाजित होता रहेगा, तो इसका प्रभाव सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर पड़ना स्वाभाविक है। इस दृष्टि से धर्मांतरण का प्रश्न केवल व्यक्तिगत स्वतंत्रता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन का भी प्रश्न बन जाता है।

आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य भी यही था कि जो लोग सामाजिक रूप से वंचित हैं, उन्हें शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सम्मान के क्षेत्र में अवसर मिल सके। लेकिन यदि धर्म परिवर्तन के बाद भी लोग आरक्षण का लाभ लेते रहेंगे, तो इससे आरक्षण व्यवस्था का मूल उद्देश्य प्रभावित होगा और वास्तविक जरूरतमंद लोगों के अधिकारों पर भी प्रभाव पड़ेगा। इससे समाज में असंतोष और असंतुलन भी उत्पन्न हो सकता है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय आरक्षण व्यवस्था को अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। यह निर्णय यह स्पष्ट करता है कि संविधान की सुविधाएँ अधिकार हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।

भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी विविधता में एकता है। यहां अनेक धर्म, जातियां, भाषाएं और संस्कृतियां होते हुए भी देश एक है। लेकिन यदि धर्म, जाति और जनसंख्या संतुलन को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रयोग होते रहेंगे, तो इससे राष्ट्रीय एकता प्रभावित हो सकती है। धर्मांतरण यदि पूरी तरह से व्यक्तिगत आस्था और विचार की स्वतंत्रता के आधार पर हो तो वह व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन यदि वह लालच, भय, दबाव, सामाजिक अलगाव या राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित हो, तो वह केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय संतुलन को प्रभावित करने वाली प्रक्रिया बन जाता है। इसलिए इस विषय पर संतुलित, संवेदनशील और राष्ट्रीय दृष्टि से विचार करना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण है। यह निर्णय केवल यह नहीं कहता कि धर्म परिवर्तन के बाद अनुसूचित जाति का दर्जा समाप्त हो जाएगा, बल्कि यह निर्णय संविधान की मूल भावना को भी स्पष्ट करता है कि सामाजिक न्याय का आधार सामाजिक वास्तविकता है, न कि केवल कानूनी तकनीक। यह निर्णय यह भी स्पष्ट करता है कि संविधान द्वारा दी गई सुविधाओं का उद्देश्य समाज में समानता और न्याय स्थापित करना है, न कि कानूनी व्यवस्था का दुरुपयोग होने देना।

आज भारत एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां कानून, संविधान और न्याय व्यवस्था केवल तकनीकी व्याख्याओं तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि सामाजिक वास्तविकता, राष्ट्रीय हित और सामाजिक संतुलन को ध्यान में रखकर निर्णय दिए जा रहे हैं। इस दृष्टि से यह निर्णय नए भारत की कानूनी सोच और संवैधानिक दृष्टि का प्रतीक भी कहा जा सकता है। यह निर्णय यह संदेश देता है कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता दोनों साथ-साथ चल सकते हैं और संविधान दोनों की रक्षा करने में सक्षम है।

अंततः यह कहा जा सकता है कि धर्म, जाति, आरक्षण और धर्मांतरण का प्रश्न भारत में लंबे समय से विवाद और बहस का विषय रहा है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस जटिल विषय को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। इससे न केवल आरक्षण व्यवस्था अधिक स्पष्ट और न्यायसंगत बनेगी, बल्कि धर्मांतरण और कानूनी लाभ के बीच जो विसंगतियाँ थीं, वे भी काफी हद तक समाप्त होंगी। यह निर्णय सामाजिक संतुलन, कानूनी स्पष्टता और राष्ट्रीय एकता-तीनों को मजबूत करने वाला निर्णय है। इसलिए यह कहना उचित होगा कि यह निर्णय केवल एक न्यायालय का फैसला नहीं, बल्कि नए भारत, सशक्त भारत और संगठित भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए।

संपादकीय

गंगा फिर भी मैली

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी को हमें एक गंभीर चेतावनी के रूप में लेना होगा, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरूआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहगार? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं। तमाम उद्योगों का अपशिष्ट पानी अनेक जगह गंगा में गिराया जा रहा है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान ह्यनमामि गंगेह्ण शुरू किया गया था। बताया जाता है कि अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। सिर्फ सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं। दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य श्रृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है।

चिंतन-मनन

हर जीव में व्याप्त नारायण

वैदिक साहित्य से हम जानते हैं कि परम-पुरुष नारायण प्रत्येक जीव के बाहर तथा भीतर निवास करने वाले है। वे भौतिक तथा आध्यात्मिक दोनों जगतों में विद्यमान हैं। यद्यपि वे बहुत दूर हैं, फिर भी हमारे निकट हैं- आसीनो दूरं व्रजति शयानो याति सर्वतरू हम भौतिक इन्द्रियों से न तो उन्हें देख पाते हैं, न समझ पाते हैं अतएव वैदिक भाषा में कहा गया है कि उन्हें समझने में हमारा भौतिक मन तथा इन्द्रियां असमर्थ हैं। किन्तु जिसने, भक्ति में कृष्णभावनामृत का अभ्यास करते हुए, अपने मन-इन्द्रियों को शुद्ध कर लिया है, वह उन्हें निरन्तर देख सकता है। ब्रघ्संहिता के अनुसार परमेर के लिए जिस भक्त में प्रेम उपज चुका है, वह निरन्तर उनके दर्शन कर सकता है। और भगवद्गीता में कहा गया है कि उन्हें केवल भक्ति द्वारा देखा-समझा जा सकता है। भगवान सबके हृदय में परमात्मा रूप में स्थित हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे बंटे हुए हैं? नहीं। वास्तव में वे एक हैं। जैसे सूर्य मध्याह्न समय अपने स्थान पर रहता है, लेकिन यदि कोई पांच हजार मील की दूरी पर घूमे और पूछे कि सूर्य कहां है, तो सभी कहेंगे कि वह उसके सिर पर चमक रहा है। इस उदाहरण का अर्थ है कि यद्यपि भगवान अविभाजित हैं, लेकिन इस प्रकार स्थित हैं मानो विभाजित होंवैदिक साहित्य में यह भी कहा गया है कि अपनी सर्वशक्तिमत्ता द्वारा एक विष्णु सर्वत्र विद्यमान हैं। जिस तरह एक सूर्य की प्रतीति अनेक स्थानों में होती है। यद्यपि परमेर प्रत्येक जीव के पालनकर्ता हैं, किन्तु प्रलय के समय सबका भक्षण भी कर जाते हैं। सृष्टि रची जाती है, तो वे सबको मूल स्थिति से विकसित करते हैं और प्रलय के समय सबको निगल जाते हैं। वैदिक शास्त्र पुष्टि करते हैं कि वे समस्त जीवों के मूल तथा आश्रय-स्थल हैं। सृष्टि के बाद सारी वस्तुएं उनकी सर्वशक्तिमत्ता पर टिकी रहती हैं और प्रलय बाद सारी वस्तुएं पुनः उन्हीं में विश्राम पाने के लिए लौट आती हैं।

सेहत से खिलवाड़ कब तक, खेत से थाली तक विष ही विष

मुकेश तिवारी

दूध हो या सब्जियां या फिर खाद्यान्न लोगों की सेहत के साथ हो रहा खिलवाड़ अब किसी से ढका छुपा नहीं है हाल की घटनाओं से यह बात भी सामने आ चुकी है कि नामी-गिरामी कंपनियां भी इस गोरखधंधे में बिना किसी हिचकिचाहट के शामिल है ,हैरानी की बात यह है कि इतना सब कुछ जग जाहिर होने के बाद हम अभी तक कोई ऐसा तंत्र विकसित नहीं कर पाए जिससे बच्चे से लेकर बूढ़े तक के स्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को रोका जा सके, निगरानी का अभाव और लाचार कानून मिलावटखोरों को सींकचों पीछे जाने से रोक रहे हैं । हरित क्रांति का मकसद देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है । इस दिशा में देश को अभूतपूर्व सफलता भी मिली लेकिन कब जहरीले पंजों ने खेती किसानी में घुसपैठ कर ली,पता नहीं चला हद तो तब हो गई जब जानबूझकर प्रदेश सरकारे इस ओर आंखें मूंदे रहीं हैरानी इस बात की है। इस गंभीर मामले को अभी तक हमारे राजनीतिक दल अपनी नीतियों का हिस्सा नहीं बना पाए मुनाफा कमाने की अंधी दौड़ ने किसानों को भी परंपरागत खेती से पीछे छोड़ दिया और बढ़ती आबादी की जरूरत और मुनाफाखोरी की हवस ने मिलावट खोरी की जड़े गहरी कर दी पिछले तीन दशकों में खेती-किसानी में आए बदलाव ने उत्पादन को बढ़ाया लेकिन इस बदलाव के भयानक दुष्परिणामों पर ध्यान नहीं दिया गया। बैल और मवेशियों की जगह अब ट्रैक्टर और दूसरे आधुनिकतम यंत्रों ने ले ली है । लिहाजा गोबर और घूरे की राख से बनी कंपोस्ट खाद अब खेतों में दिखाई नहीं देतीं। फसल कटाई के पश्चात उसके रखरखाव में कीटनाशकों का जमकर उपयोग हो रहा है। जो स्वास्थ्य के लिए तो हानिकारक है ही आसपास के वातावरण को भी दूषित कर रहा है। कड़वा सच तो यह है कि आज खतरा सिर्फ रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के बढ़ते प्रयोग से ही नहीं है बल्कि खाद्य पदार्थों में जिस तरह मिलावट खोरी का कारोबार तेजी से पनप रहा है वह मानवीय स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है । टमाटर गोभी और मूली, पालक जैसी सब्जियां पहले सिर्फ जाड़े के मौसम में ही बिकती थी। लेकिन अब वे मौसमी सब्जियां बारहों महीने धडल्ले से बिकने लगी हैं। महानगरों में इन सब्जियों की मांग अधिक है। क्योंकि अब लोगों के खानपान की शैली में तेजी से बदलाव आ रहा है। नई आर्थिक नीति के पश्चात देश में शहरी करण का तेजी के साथ विस्तार हुआ है। दिलचस्प तथ्य यह है कि शहरों में रह रहे लोगों की आमदनी बढ़ने का असर लोगों के रहन-सहन और खान-पान पर भी पड़ा है । वहीं यह कड़वा सच है बेमौसम फल और सब्जियां खाने की ललक ने रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को बेहद बढ़ावा दिया है । यहां ध्यान देने की बात यह है कि वेमौसमी फल और सब्जियों को उगाने में उर्वरक और कीटनाशक ज्यादा लगता है। यह तथ्य भी काफी दिलचस्प है कि दूध ,दही, पनीर फल और अनाज में भी आजकल जमकर मिलावट हो रही है। इस मामले में एक दिलचस्प तथ्य यह है कि मांसाहार हो या शाकाहार ऐसा कोई खाद्य पदार्थ नहीं है जो विषैले कीटनाशक और मिलावट से रहित हो बाजार में उपलब्ध आम , केला और पपीता जैसे फलों को कैल्शियम कार्बाइड की मदद से पकाया जाता है । खाद्य वस्तुओं में विषैले रसायनों के अतिरिक्त कई दूसरे किस्म की खतरनाक चीजों की मिलावट को चिकित्सक स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक मानते हैं। सूत्रों का कहना है कि फलों को चमकाने के लिए उन पर वेक्स भी लगाया जाता है । चिकित्सकों के मुताबिक वैक्स युक्त फलों का सेवन करने से डायरिया और कैंसर जैसी बीमारियां होती हैं। कृषि उत्पादों विशेषकर सब्जियों और डेयरी में ऑक्सीटॉसिन का बेहिचक होकर उपयोग हो रहा है। हैरानी इस बात पर है कि ऑक्सीटॉक्सिन का गलत ढंग से इस्तेमाल न हो इसलिए सरकार ने इसकी खुली बिक्री पर पाबंदी लगा रखी है । इसके बावजूद हिंदुस्तान भर में ऑक्सीटोक्सिन का उपयोग दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। गौरतलब है कि खाद्य वस्तुओं में मिलावट रोकने के लिए खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम 1954 और प्रिवेशन आफ फूड एडल्टरेशन एक्ट 1955 बनाया गया है । लेकिन इस एक्ट का ईमानदारी के साथ पालन नहीं हो रहा है। इन सब के बावजूद त्योहारों , शादी के सीजन में देश के प्रथक प्रथक भागों में कुंतल नकली मावा, पनीर, क्रीम,जप्त किया जाता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने कुछ माह पूर्व कृत्रिम और मिलावटी दूध के गोरखधंधे का खुलासा किया था।

मध्यप्रदेश में दूध की गुणवत्ता परखने के लिए भेजे गए हैपलोग्रुप के परिणाम बताते हैं कि पिछले तीन सालों में औसतन 13-16 फीसदी सैपल अचानक पाये गये।

प्राधिकरण ने अपनी रिपोर्ट सार्वजनिक करते हुए बताया था कि देश में बिकने वाला 68.5 प्रतिशत दूध मिलावटी है । अभी हाल ही में आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में मिलावटी दूध के सेवन से 16 लोगो की मौत हो गई,जबकि तीन लोग गभीर रुप से बीमार है।दूध में मिलावट के कारण हुई मौतों के पीछे दूध में एथिलीन ग्लाइकोल नाम का जहरीला पदार्थ मिलाया जाना वताया जा रहा है।खुले बाजार में उपलब्ध पीसे हरे धनिया का चटक हरा रंग देख कर ग्राहक आकर्षित होता है । लेकिन इस सच्चाई को जाने बगैर कि इसमें रंग धान की भूसी और घोड़े की लीद मिली हुई है। ऐसे मिलावटी धनिए को उपयोग में लेने से लीवर किडनी और तिल्ली काफी प्रभावित होती है इसी तरह आटे में भी तमाम सारी चीजों की मिलावट की जाती है। तुअर और चने की दालों में भी खेसारी मटर बटरे की मिलावट की जाती है। ग्राहकों को हानिकारक तत्वों की मिलावट का पता न चले इसलिए बड़े ही सुनियोजित ढंग से दालों पर पोलिस की जाती है। खेसारी दाल में एक खास तरह का रसायन पाया जाता है । इस दाल के इस्तेमाल से स्नायु तंत्र और गठिया से जुड़ी बीमारियां होती हैं।

दुनिया एक रंगमंच है और हम सब बस एक किरदार

ऋतुपर्ण दवे

वास्तव में रंगमंच जीवंत कला को समझने.सम्मानित करने का एक अवसर होता है। विश्व रंगमंच दिवस की शुरूआत 1961 में अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान;आईटीआईद्ध द्वारा की गई और 27 मार्च 1962 को पेरिस में थ्एिटर ऑफ नेशंसष सत्र के उद्घाटन के साथ मनाया गया। तभी से इस दिन को विश्वभर में विभिन्न कार्यक्रमोंए प्रस्तुतियोंए वाताओं और अन्य गतिविधियों के साथ मनाया जाने लगा। नाटक.अभिनय हर संस्कृति का अहम हिस्सा होते हैं। ये वैश्विक स्तर पर समाज और रंगमंच के गहरे प्रभाव की न केवल याद दिलाते हैं बल्कि रंगमंचीय कलात्मकता और रचनात्मकता का जश्न भी मनाते हैं। यह एक ऐसा अवसर और कला का प्रदर्शन है जिससे समाज में सामाजिकए सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी सामने आते हैं। दुनिया भर में इस मौके पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाट्य कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसी कड़ी में सबसे खास विश्व रंगमंच दिवस के संदेश का प्रसार होता हैए जिसमें अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान के बुलावे पर वैश्विक हस्तियां रंगमंच और शांति की संस्कृति विषय पर अपने विचार साझा करती हैं। इस आयोजन की शुरूआत करते हुए पहला विश्व रंगमंच दिवस संदेश 1962 में जीन कोक्ट्यू जो प्रख्यात फ्रांसीसी लेखकए नाटककार और निर्देशक थेए उनके द्वारा लिखा गया।

हर वर्षए थिएटर समुदाय में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान द्वारा विश्व रंगमंच दिवस संदेश की रचना हेतु चुना जाता हैए जो ष्रंगमंच और शांति की संस्कृतिष यानी थिएटर एंड ए कल्चर ऑफ पीस की थीम पर आधारित होता है। रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह कल्पनाओं पर आधारित न होकर समाज में घटित घटनाओंए मानव भावनाओं और जीवन संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करता है। रंगमंच यानी थिएटर केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह अभिव्यक्ति का प्रभावी और सशक्त जरिया है जो इंसानी अनुभवों और भावनाओं की विविधता को दशार्ता है। इसके जरिए प्राचीन ग्रीक त्रासदियों से अब तक तमाम प्रस्तुतियों का मंचन कर लगातार रंगमंच निखरता रहा है। सच कहें तो पीढ़ियों और संस्कृतियों के दर्शकों के हृदय को यही तो छूता है! दरअसल यह अपनी कहानी कहने का भी मंच प्रदान करता है। अवसर कुछ ऐसा होता है जिसमें व्यक्ति जटिल से जटिल विषयों का अन्वेषण करए चिंतन के लिए बढ़ सकता है। परिवर्तन की प्रेरणा को साकार मूर्त रूप देने का भी यह अवसर होता है।

चाहे समाज में जागरूकता बढ़ाना हो या अंधविश्वास उजागर करनाए इन सारे महत्वपूर्ण विषयों में थिएटर की भूमिका अहम होती है। कला के जरिए प्रोत्साहन का इससे बेहतर अवसर और मंच की आवश्यक्ता को यह सिध्द करता है। कार्यशालाओंए प्रदर्शनों और चचाओं के जरिए एक दूसरे की भाषा से अनभिज्ञ दुनिया भर के लोग रंगमंच के जादू और इसकी परिवर्तनकारी क्षमता का जश्न मनाते एक साथ आकर भाषा न समझे लेकिनए भावनाओं को समझते हैं। सच कहें तो रंगमंच न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता हैए बल्कि आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भागीदार होता है। रोजगार सृजन से लेकर पर्यटन के आकर्षण और आर्थिक विकास को गति देने में रंगमंच उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावाए रंगमंच रचनात्मकए आलोचनात्मक सोच और सहानुभूति को बढ़ावा देता हैए जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक कौशल है। सांस्कृतिक आदान.प्रदान और संवाद को बढ़ावा देकरए रंगमंच विभिन्न पृष्ठभूमियों के व्यक्तियों के बीच दूरियों को कम करता है और समझ को बढ़ाता है। यह सहयोग और समन्वय भी प्रोत्साहित करता हैए जिससे समुदाय और अपनेपन की भावना विकसित होती है।

रंगमंच महज मनोरंजन का साधन न होकर समाज का आईना भी है। जिसमें हमेंए हमारी छवि साफ दिखती है। इसके जरिए समाज की हकीकत भी सामने आती हैं। मंच पर प्रस्तुत सारी कहानियांए संवाद और अभिनय कहीं न कहीं हमारे वास्तविक जीवन की किसी न किसी सच्चाई को प्रतिबिंबित करते हैं। इसका जरिया कुछ भी हो सकता है। चाहे ग्रीक ट्रैजेडी होए कॉमेडी या फिर लोकनाट्य या फिर हमारा मौजूदा थिएटर सबका मकसद एक ही होता है कि किस प्रकार समाज को जागरूक करेंए कैसे नई दिशा और दृष्टि देकरए सुधार ला सकें।

भारतीय रंगमंच के संदर्भ में देखें तो इसका बहुत पुराना इतिहास है जो वैदिक काल से जुड़ा हुआ है। इसे भरतमुनि के ष्नाट्य शास्त्रष द्वारा औपचारिक रूप दिया गया जो कि नाटक पर एक जरूरी ग्रन्थ के रूप में दस्तावेज है। यह ईसा पूर्व 2000 और चौथी शताब्दी के बीच लिखा गया था। यह कहानी कहने की शैलियों से विकसित हुआ जिसमें सस्वर पाठए गायन और नृत्य शामिल थे। शास्त्रीय संस्कृत नाटकए पारंपरिक स्थानीय रूप और समकालीन रंगमंच शामिल हैं। भारतीय नाट्यशास्त्र नाटक के विभिन्न रूपों को न केवल वगीर्कृत करता है बल्कि रंगमंच में अभिनेताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियों को भी रेखांकित करता है। पारंपरिक भारतीय रंगमंच नृत्य और नाटक को मिलाते हुए प्रायः हिंदू ग्रंथों में निहित कहानियों को भी प्रदर्शित करते हैं। कथकली विशेष उदाहरण है जिसमें जटिल वेशभूषा और श्रृंगार की विशेषताओं से युक्त अत्यधिक शैलीगत प्रदर्शन होता है।

भारत के संदर्भ में कई व्यावसायिक थियेटर ग्रुप अच्छा काम कर रहे हैं। इनसे जुड़कर अच्छे रोजगार की संभावनाएं भी बनती हैं और रंगमंच में पहचान अलग। रंगमंचीय अभिनयए निर्देशनए परिकल्पना और अन्य कई विधाएं जैसे कोरियोग्राफरए आर्ट डायरेक्टरए स्क्रिप्ट लेखकए सेट डिजाइनरए लाइटए साउंड और तकनीक आदि हमारी कला और संस्कृति को जीवंत रखते हुए रोजगार और पहचान के भी बेहतरीन अवसर देती हैं। महान अंग्रेजी नाटककारए कवि अभिनेता रहे विलियम शेक्सपियर को भला कौन नहीं जानता होगा! उनके लिखे दार्शनिक शब्द आज भी यथार्थ के धरातल पर वैसे ही प्रभावी हैंए जितना उन्होंने अपने जीवन काल 1564.1616 के दौरान लिखे थे। ऐसी ही अनेकों रचनाओं ने उन्हें महान नाटककार बनाया। शेक्सपियर आज भी थिएटर के जाने.मानेए प्रभावी व्यक्तित्व हैं। उनके लिखे शब्द श्सारा संसार एक रंगमंच है जिसमें सभी पुरुष.महिलाएं महज कलाकार हैं।श शेक्सपियर ने हैमलेटए रोमियो.जूलियटए मैकबेथ जैसे 38 से अधिक नाटक और कई सॉनेट लिखे। जीवन वास्तव में एक दार्शनिक सत्यए तथ्य और रंगमंच है जिसमें बाल अवस्था से वृध्दावस्था और मृत्यु तक हमारे ढ़ेरों किरदार होते हैं। कोई नायकए कोई खलनायकए कोई विदूषकए तो कोई विचारक होता है। हम अपने जीवन के अलग.अलग चरणों में भिन्न.भिन्न भूमिकाएं निभाते हैं।

इस वर्ष 64वां विश्व रंगमंच दिवस शुक्रवार 25.27 मार्च तक लक्जमबर्ग में हो रहा है। विषय ष्रंगमंच और शांति की संस्कृतिष हैए जो विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवादए सहानुभूति और समझ को बढ़ावा देने में जीवंत प्रदर्शन की भूमिका पर जोर देता है। इस संदेश को जाने.माने अमेरिकी अभिनेता विलेम डेफो ने लिखा हैए जिसमें रंगमंच के साझा मानवीय अनुभवए चिंतन और नैतिक जुड़ाव को प्रस्तुत किया गया है। सच में रंगमंच हमें अपने जीवन में नई सीखए समझ के साथ हर दिन जीने की प्रेरणा देता है। हमें थिएटर जाना चाहिएए लोगों को प्रेरित भी करना चाहिए। थिएटर के मर्मए धर्म और सत्य को समझना.स्वीकारना चाहिए। जिंदगी में अपने किरदार को पहचानना और जरूरत पड़ने पर बदलना भी चाहिए शायद यही सच्चा थिएटर होगा।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण प्रशांत महासागर में 7.6 मैग्नीट्यूड का भूकंप

टोंगा , एजेंसी। दक्षिणी प्रशांत महासागर में टोंगा के नजदीक 7.6 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप का केंद्र समुद्र में 237 किलोमीटर की गहराई में था और जमीन पर भी तगड़े झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र टोंगा के दूसरे सबसे बड़े शहर नीएफू से 153 किलोमीटर दूर पश्चिम में था। भूकंप में अभी तक किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

रूस ने यूक्रेन पर करीब 400 ड्रोन दागे, छह लोगों की मौत

कीव, एजेंसी। रूस के ड्रोन और मिसाइल हमले में यूक्रेन के छह लोगों की मौत हो गई और 46 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रूस की सेना ने यूक्रेन की अग्रिम रक्षा पंक्ति को तोड़ने के प्रयास तेज कर दिए हैं, जिसे वसंत में संभावित जमीनी हमले की शुरुआत माना जा रहा है। यूक्रेन की वायु सेना ने बताया कि रूस ने रातभर में लगभग 400 लंबी दूरी के ड्रोन दागे, जो हाल के हफ्तों का सबसे बड़ा हमला है। यह हमला मंगलवार तक जारी रहा और दिन में भी राजधानी कीव को कई ड्रोन से निशाना बनाया गया। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने बताया कि रूस ने ईरान में डिजाइन किए गए शाहेद ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए सात शहरों पर हमला किया। वायु सेना के अनुसार, रूस ने रात में देशभर में 10 स्थानों पर 23 क्रूज मिसाइल और सात बैलिस्टिक मिसाइल भी दागीं। दोपहर में हुए हमलों में मध्य यूक्रेन के शहर निप्रो में 13 लोग घायल हुए, जिनमें तीन बच्चे शामिल हैं। पश्चिमी शहर लविव में एक अपार्टमेंट पर हमले में भी 13 लोग घायल हुए।

डेनमार्क चुनाव में प्रधानमंत्री फ्रेडरिकसेन को बहुमत के आसार नहीं

कोपेनहेगन, एजेंसी। डेनमार्क के आम चुनाव में निर्णायक नतीजे आने का अनुमान नहीं है। प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन के भविष्य पर संशय बरकरार है। इस राजनीतिक अभियान के दौरान ग्रीनलैंड संकट के बजाय रोजी-रोटी के मुद्दों पर ध्यान दिया गया। मंगलवार को जारी नतीजों में महिला प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन की सेंटर-लेफ्ट सोशल डेमोक्रेट्स पार्टी ने 2022 के चुनाव की तुलना में कम सीटें जीतीं। उनकी निवर्तमान सरकार के दोनों सहयोगी दलों को भी नुकसान हुआ। इस चुनाव में संसद में न तो वामपंथी और न ही दक्षिणपंथी गुट को बहुमत मिला। अनुभवी विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन किंगमेकर बन गए, जो पूर्व प्रधानमंत्री हैं। उनकी सेंट्रिस्ट मॉडरेट पार्टी अब तय करेगी कि फ्रेडरिकसेन तीसरा कार्यकाल संभालेंगी या नहीं। बता दें कि यूरोपीय संघ और नाटो का सदस्य देश डेनमार्क की आबादी करीब 60 लाख है।

ताइवान के करीब फिर दिखे चीनी विमान और नौसैनिक जहाज

ताइपे, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ताइवान के आसपास एकबार फिर चीनी गतिविधि देखी गई है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक बुधवार सुबह करीब 6 बजे क्षेत्रीय जल के पास चीन के 16 विमान, 10 नौसैनिक जहाज और दो आधिकारिक जहाज देखे गए। इनमें से 13 विमानों ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया। इससे पहले मंगलवार को भी तीन चीनी सैन्य विमान और नौ जहाज देखे गए थे। गौरतलब है कि ताइवान को ऐतिहासिक और राजनीतिक तर्कों के आधार पर चीन अपना अविभाज्य हिस्सा मानता है। दूसरी तरफ ताइवान स्वतंत्र प्रशासन, सेना और अर्थव्यवस्था के आधार पर अपनी अलग पहचान का दावा करता है। ऐसे में ताइवान की स्थिति अंतरराष्ट्रीय बहस का महत्वपूर्ण बिंदु है। चीन का दावा सैकड़ों साल पहले 1683 में किंग राजवंश के द्वीप पर कब्जे से शुरू हुआ। 1949 में चीन में गृहयुद्ध होने के बाद हालात बदल गए। फिलहाल, ताइवान स्वतंत्र है, लेकिन सैन्य संघर्ष से बचने के लिए यहां के प्रशासन ने औपचारिक स्वतंत्रता घोषित नहीं की है।

ट्रंप की लोकप्रियता घटी : ईरान जंग और महंगाई के बीच गिरकर 36 प्रतिशत पहुंची ; 61% अमेरिकियों ने हमले को नकारा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता घटकर 36 प्रतिशत रह गई है। यह उनके दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद का सबसे कम स्तर है। यह जानकारी रॉयटर्स/इप्सोस के एक सर्वे में सामने आई है। चार दिन तक चले इस सर्वे में पाया गया कि ट्रंप के कामकाज से संतुष्ट लोगों की संख्या 40 प्रतिशत से घटकर 36 प्रतिशत रह गई है। सर्वे के अनुसार, ईंधन की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी और ईरान के साथ युद्ध को लेकर लोगों की नाराजगी का असर ट्रंप की लोकप्रियता पर पड़ा है। अमेरिका और इस्राइल के 28 फरवरी को ईरान पर हमले के बाद पेट्रोल की कीमतें बढ़ी हैं, जिससे लोगों का खर्च बढ़ा है।

कुवैत के एयरपोर्ट पर ईरान का ड्रोन अटैक: फ्यूल टैंक में आग लगी

इराकी लड़ाकों का अमेरिका के 23 ठिकानों पर हमला

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 26वां दिन है। ईरान ने मंगलवार रात कुवैत के इंटरनेशनल एयरपोर्ट ड्रोन अटैक किया, जिससे वहां मौजूद फ्यूल टैंक में आग लग गई। कुवैत की सेना ने जवाबी कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं धमाके की आवाज सुनाई दे रही है, तो वह दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों को हवा में ही मार गिराने की वजह से है। सेना ने लोगों से अपील की है कि वे सरकार के सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। इससे पहले कुवैत के नेशनल गार्ड ने बताया कि उसने अपने इलाके में 5 ड्रोन मार गिराए हैं। वहीं, इराक के एक उग्रवादी समूह इस्लामिक रेजिस्टेंस इन इराक ने कहा है कि उसने पिछले 24 घंटे में अमेरिका से जुड़े 23 ठिकानों पर हमले किए हैं। ग्रुप के मुताबिक, इन हमलों में ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। हालांकि, इन हमलों से कितना नुकसान हुआ, इसकी पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

हिजबुल्लाह ने इजराइल पर 30 रॉकेट दागे : लेबनान के उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने आज इजराइल पर करीब 30 रॉकेट दागे गए। हमलों के बाद उत्तरी इजराइल के कई इलाकों में सायरन बजने लगे। फिलहाल यह साफ नहीं है कि इन हमलों से कितना नुकसान हुआ। गाजा में इजराइल की एयरस्ट्राइक, 4 लोगों की मौत सेंट्रल गाजा में इजराइल के हवाई हमले में 4 लोगों की मौत हो गई है। न्यूज एजेंसी वफा के मुताबिक, यह हमला अज-जवायदा इलाके में हुआ, जहां अचानक एयर स्ट्राइक की गई। एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प के चारों ओर जाल कसता जा रहा अमेरिका के डिफेंस एक्सपर्ट और व्हाइट हाउस के पूर्व सलाहकार रॉबर्ट पेप ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प के चारों ओर जाल कसता जा रहा है। ट्रम्प ईरान के साथ बढ़ते तनाव में ऐसे हालात में फंस सकते हैं, जहां युद्ध धीरे-धीरे और बड़ा होता चला जाता है। रॉबर्ट पेप ने भारतीय मीडिया से बात करते हुए कहा कि शुरुआत में छोटे-छोटे हमले किए जाते हैं, लेकिन जब उनसे बड़ा टागरेट हासिल नहीं होता, तो हमले और बढ़ा दिए जाते हैं। इसी को 'एस्केलेशन ट्रैप' कहा जाता है, यानी ऐसा जाल जिसमें फंसकर युद्ध लगातार बढ़ता जाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर युद्ध बढ़ा, होर्मुज स्ट्रेट पर असर पड़ सकता है, जहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा तेल गुजरता है। इससे तेल महंगा हो सकता है और दुनिया की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ सकता है। पेप के मुताबिक, इस स्थिति में ईरान मजबूत हो सकता है और तेल पर ज्यादा कंट्रोल हासिल कर सकता है। हालात संभालने के लिए इजराइल की सैन्य कार्रवाई को कंट्रोल करना जरूरी है और यह फैसला ट्रम्प ही ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका के मरीन सैनिक ईरान पहुंच जाते हैं, तो हालात और ज्यादा खराब हो सकते हैं। अभी ट्रम्प ने हमले कुछ दिनों के लिए कम किए हैं, लेकिन यह सिर्फ समय लेने का तरीका हो सकता है। पेप ने यह भी कहा कि जब तक अमेरिका अपने सैनिकों को वापस नहीं बुलाता, तब तक यह नहीं कहा जा सकता कि तनाव कम हो रहा है।

अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने का प्रस्ताव गिरा अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में ईरान जंग रोकने के लिए लाया गया प्रस्ताव गिर गया। विपक्षी डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से लाए गए इस प्रस्ताव के पक्ष में 47 जबकि विपक्ष में 53 वोट पड़े। यह तीसरी बार था जब डेमोक्रेट्स ने ऐसा प्रस्ताव रखा था। उनका कहना है कि अमेरिका में युद्ध शुरू करने का अधिकार कांग्रेस के पास होता है, इसलिए ट्रम्प बिना पूरी मंजूरी के यह कदम नहीं उठा सकते। इसी वजह से वे लगातार ऐसे प्रस्ताव ला रहे हैं, ताकि सरकार पर दबाव बनाया जा सके। डेमोक्रेट्स ने यह भी आरोप लगाया है कि ट्रम्प सरकार इस युद्ध को ठीक से समझा नहीं पा रही है। सांसद क्रिस मर्फी ने कहा कि सरकार अब तक यह नहीं बता पाई है कि युद्ध क्यों जरूरी है। डेमोक्रेट्स ने साफ कर दिया है कि वे इस मुद्दे को यहीं नहीं छोड़ेंगे और हर हफ्ते इस पर वोटिंग कराते रहेंगे, जब तक सरकार आकर अपनी बात साफ नहीं करती।

टोक्यो में चीनी दूतावास में घुसने के आरोप में जापानी सैनिक गिरफ्तार, चीन ने जताया विरोध; मांगा जवाब

टोक्यो , एजेंसी। जापान के अधिकारियों ने बुधवार को एक जापानी सैनिक को गिरफ्तार करने की पुष्टि की है। इस सैनिक पर कथित रूप से टोक्यो में चीनी दूतावास में बिना इजाजत (अवैध रूप) से घुसने का आरोप है। चीन ने इस घटना पर विरोध जताया था, जिसके एक दिन बाद यह गिरफ्तारी हुई है। अब यह मामला जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव का नया केंद्र बन गया है।

चीनी विदेश मंत्रालय ने क्या कहा : चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने बीजिंग में एक मीडिया वार्ता के दौरान बताया कि मंगलवार सुबह एक व्यक्ति दीवार फांदकर दूतावास परिसर में जबरन घुस आया। उस व्यक्ति ने खुद को जापानी आत्म-रक्षा बल का अधिकारी बताया था। टोक्यो पुलिस ने बुधवार को जानकारी दी कि गिरफ्तार व्यक्ति की उम्र 23 साल है और वह जापान की थल सेना (जीएसडीएफ) का सदस्य है। जापानी सेना ने पुष्टि की है कि संदिग्ध सैनिक मियाजाकी प्रांत के कैंप एबिनो में तैनात है। सेना के अधिकारी इस मामले में पुलिस का पूरा सहयोग कर रहे हैं। जापानी मीडिया ने पुलिस के हवाले से बताया कि यह सैनिक चीनी राजदूत को यह कहने के लिए दूतावास में घुसा था कि चीन जापान के प्रति अपना कड़ा रुख बंद करे। सैनिक के पास एक चाकू भी था। उसने धमकी दी थी कि अगर उसकी मांग नहीं मानी गई, तो वह खुद को मार लेगा। जापान के सरकारी चैनल एनएचके के अनुसार, उस व्यक्ति को मौके पर ही पकड़ लिया गया और आगे की जांच के लिए टोक्यो पुलिस को सौंप दिया गया। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, उस व्यक्ति ने कथित तौर पर दूतावास की दीवार फांदी थी और वहां एक चाकू भी मिला है। चीन ने इस घटना पर गहरा दुख और गुस्सा जताया है। प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि जापान अपने सैनिकों को ठीक से नियंत्रित और अनुशासित करने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा कि जापान ने चीनी दूतावास और उसके कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी जिम्मेदारी पूरी नहीं की। चीन ने मांग की है कि जापान इस मामले की पूरी जांच करे, दोषी को सजा दे और चीन को इस पर स्पष्टीकरण दे। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ा हुआ है।

बांग्लादेश नरसंहार दिवस: 1971 हत्याकांड था सुनियोजित कत्लेआम: पीएम तारिक रहमान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 25 मार्च को मनाए जाने वाले नरसंहार दिवस पर प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 1971 के हत्याकांड को सुनियोजित नरसंहार बताते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि 25 मार्च 1971 का दिन बांग्लादेश के इतिहास में सबसे काले और क्रूर दिनों में से एक है, जब पाकिस्तानी सेना ने 'ऑपरेशन सर्चलाइट' के नाम पर निहत्थे नागरिकों पर हमला किया।

शिक्षकों और नागरिकों को बनाया निशाना : प्रधानमंत्री ने बताया कि उस रात ढाका विश्वविद्यालय, पिलखाना और राजारबाग पुलिस लाइंस समेत कई जगहों पर शिक्षकों, बुद्धिजीवियों और आम नागरिकों को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलियां चलाई गईं। इस हमले में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई।उन्होंने इसे पूरी तरह से पूर्व नियोजित कत्लेआम बताते हुए कहा कि उस समय की राजनीतिक परिस्थितियों और नेतृत्व की भूमिका पर आज भी शोध की जरूरत है।

यहीं से शुरू हुआ मुक्ति संग्राम : रहमान ने कहा कि 25 मार्च की रात चट्टोग्राम में 8वीं ईस्ट बंगाल रेजिमेंट ने 'वी रिवोल्ट' का नारा देकर प्रतिरोध शुरू किया। इसी के साथ नौ महीने लंबे बांग्लादेश मुक्ति संग्राम की शुरुआत हुई, जिसने अंततः देश को आजादी दिलाई।

नई पीढ़ी को इतिहास जानना जरूरी : प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वतंत्रता के मूल्य समझाने के लिए 25 मार्च के नरसंहार के बारे में जानना जरूरी है। उन्होंने शहीदों के बलिदान को याद करते हुए समानता, मानव गरिमा और सामाजिक न्याय पर आधारित समाज बनाने की अपील की। इस बीच बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में पेश उस प्रस्ताव का स्वागत किया है, जिसमें 1971 के नरसंहार को औपचारिक मान्यता देने की मांग की गई है। यह प्रस्ताव ग्रेग लैंड्समैन द्वारा पेश किया गया है। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से एक न्यायपूर्ण, विकसित, आत्मनिर्भर और लोकतांत्रिक बांग्लादेश के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया।

कभी मेल बैलेट के विरोधी रहे ट्रंप ने खुद इसी से किया मतदान

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फ्लोरिडा में मेल बैलेट के जरिए अपना वोट डाला है। जबकि वे सार्वजनिक रूप से इस मतदान तरीके को धोखाधड़ी का जरिया बताते हैं और कांग्रेस से इसे सीमित करने की मांग कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ उन्होंने खुद इसी तरीके का इस्तेमाल किया। पाम बीच काउंटी के रिकॉर्ड से पता चला है कि राष्ट्रपति ने मंगलवार को राज्य विधानसभा सीटों के लिए हुए विशेष चुनाव में मेल से वोट दिया और उनके वोट की गिनती भी हो गई है। ट्रंप के समर्थन के बावजूद उनके रिपब्लिकन उम्मीदवार यहां से चुनाव हार गए है। यहां डेमोक्रेट की एमिली ग्रेगरी ने जीत हासिल की है।

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने इस पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि ट्रंप 'यूनिवर्सल मेल-इन वोटिंग' के खिलाफ हैं, न कि उन व्यक्तिगत मामलों के जहां मतदाता को इसकी जरूरत होती है। वेल्स के अनुसार, ट्रंप जिस 'सेव अमेरिका एक्ट' का समर्थन करते हैं, उसमें बीमारी, विकलांगता, सेना या यात्रा जैसी स्थितियों में मेल से वोट देने की छूट दी गई है। उन्होंने कहा यूनिवर्सल मेल-इन वोटिंग की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इसमें धोखाधड़ी की बहुत ज्यादा गुंजाइश होती है। उन्होंने कहा कि ट्रंप फ्लोरिडा के निवासी हैं लेकिन वे वाशिंगटन में रहते हैं, इसलिए उनका मेल से वोट देना कोई बड़ी बात नहीं है।

इसके बावजूद, ट्रंप ने पिछले हफ्त मेल-इन वोटिंग को धोखाधड़ी और बेहद भ्रष्ट बताया था। वे कांग्रेस से 'सेव एक्ट' पास करने का आग्रह कर रहे हैं ताकि मेल मतदान के विकल्पों को बहुत सीमित किया जा सके। हालांकि, ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन की 2025 की एक रिपोर्ट के अनुसार, मेल मतदान में धोखाधड़ी के मामले न के बराबर हैं। रिपोर्ट बताती है कि हर एक करोड़ वोटों में से सिर्फ चार मामलों में ही गड़बड़ी पाई गई है। सीनेट में डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने ट्रंप के इस कदम की आलोचना की है। शूमर ने कहा कि ट्रंप के अनुसार जब दूसरे लोग मेल से वोट दें तो वह 'धोखाधड़ी' है, लेकिन जब वे खुद ऐसा करें तो वह सही है। ट्रंप 2020 के चुनाव में अपनी हार के बाद से ही मेल मतपत्रों पर निशाना साध रहे हैं। हालांकि, अमेरिकी अदालतों और उनके खुद के अटॉर्नी जनरल को चुनाव नतीजों को प्रभावित करने वाली किसी धोखाधड़ी का कोई सबूत नहीं मिला।

फ्लोरिडा के इस चुनाव में ट्रंप ने रिपब्लिकन उम्मीदवार जॉन मेपल्स का समर्थन किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों से मेपल्स को वोट देने की अपील की थी, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने खुद मेल से वोट दिया है। ट्रंप के समर्थन के बावजूद जॉन मेपल्स चुनाव हार गए और डेमोक्रेट एमिली ग्रेगरी ने जीत हासिल की।

ब्रिटेन सरकार का फैसला- नए घरों में सोलर पैनल और हीट पंप अनिवार्य, ऊर्जा सुरक्षा के लिए अहम कदम

लंदन, एजेंसी। ईरान युद्ध से पैदा हुए वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच ब्रिटेन ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने इंग्लैंड में बनने वाले सभी नए घरों में सोलर पैनल और हीट पंप अनिवार्य करने का एलान किया है, ताकि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटाई जा सके। ब्रिटेन सरकार ने मंगलवार को नए नियम पेश करते हुए स्पष्ट किया कि यह कदम नीति-निर्माताओं की ओर से ईरान युद्ध के आर्थिक और ऊर्जा प्रभावों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। सरकार के अनुसार, यह पहल फ्यूचर होम्स स्टैंडर्ड का हिस्सा है, जो 2028 से लागू होगा। इस मानक के तहत सभी नए घरों में ऑन-साइट रिन्यूएबल बिजली उत्पादन सुनिश्चित किया जाएगा, जिसमें प्रमुख भूमिका सौर ऊर्जा की होगी। साथ ही, घरों में लो-कार्बन हीटिंग सिस्टम जैसे हीट पंप और हीट नेटवर्क को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा। ब्रिटेन के ऊर्जा मंत्री एड मिलिबैंड ने कहा, ईरान युद्ध ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा के लिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ना जरूरी है। उन्होंने कहा सरकार का लक्ष्य जीवाश्म ईंधन बाजारों की पकड़ से बाहर निकलना है, जिन पर देश का नियंत्रण नहीं है। मिलिबैंड ने यह भी बताया कि सरकार न केवल नए घरों में सोलर पैनल को मानक बना रही है, बल्कि आने वाले महीनों में दुकानों पर प्लग-इन सोलर पैनल भी उपलब्ध कराए जाएंगे, जिन्हें लोग अपने घरों की बालकनी में आसानी से स्थापित कर सकेंगे।

ऊर्जा सुरक्षा बनाम घरेलू उत्पादन : इस फैसले को लेकर ब्रिटेन की घरेलू राजनीति में भी बहस तेज हो गई है। विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी की शैडो एनर्जी सेक्रेटरी क्लेयर कुटिन्हो ने सरकार से नॉर्थ सी में नए तेल और गैस क्षेत्रों के लाइसेंस जारी करने की मांग की है, ताकि घरेलू ऊर्जा आपूर्ति बढ़ाकर उपभोक्ताओं के बिल कम किए जा सकें। यह बहस इस बात को रेखांकित करती है कि ऊर्जा संकट से निपटने के लिए देशों के सामने दो विकल्प हैं, नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेज बदलाव या पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाना।

अन्य देशों ने भी अपनाए सख्त उपाय : छुट्टी, राशनिंग और 'वर्क फ्रॉम होम' का सहारा एशियाई देशों ने सबसे तेजी से कदम उठाए हैं। श्रीलंका ने स्कूलों और सरकारी दफ्तरों में छुट्टी घोषित कर दी, साथ ही क्यूआर कोड आधारित फ्यूल राशनिंग लागू कर दी। बांग्लादेश ने शिक्षा संस्थान बंद कर ऑनलाइन पढ़ाई शुरू कर दी और रोजाना 5 घंटे की बिजली कटौती लागू की। भूटान ने जमाखोरी रोकने के लिए जरीकैन में ईंधन बिक्री पर प्रतिबंध लगाया। पाकिस्तान में चार दिन का वर्क वीक लागू।

शांति वार्ता के बीच ट्रंप को ईरान से मिला रहस्यमयी तोहफा, बोले- ये तेल और गैस से जुड़ा महंगा गिफ्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को एक चौंकाने वाला बयान दिया। ईरान के साथ युद्धविराम पर बातचीत की चर्चाओं के बीच ट्रंप ने कहा है कि ईरान ने उन्हें एक बहुत बड़ा और काफी कीमती तोहफा भेजा है। हालांकि उन्होंने इस तोहफे के बारे में कोई जानकारी नहीं दी और सिर्फ इतना कहा कि ये तोहफा तेल और गैस से जुड़ा है। ट्रंप जहां ईरान के साथ बातचीत का दावा कर रहे हैं, वहीं ईरान की सेना अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से इनकार कर रही है।

ट्रंप बोले- हम ईरान में सही लोगों से बात कर रहे : दरअसल मंगलवार को व्हाइट हाउस में मीडिया से बातचीत के दौरान ट्रंप से पूछा गया कि ईरान की तरफ से जो लोग युद्धविराम पर बातचीत कर रहे हैं, क्या उन्हें उन पर विश्वास है? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा, वे किसी पर विश्वास नहीं करते, लेकिन उन्होंने ईरान से एक तोहफा मिलने का संकेत दिया। जिसके आधार पर ट्रंप ने कहा कि वे सही लोगों से बात कर रहे हैं।

ट्रंप को मिला तोहफा तेल और गैस से जुड़ा : ट्रंप ने कहा, 'उन्होंने हमें एक तोहफा दिया है और वो तोहफा आज पहुंच गया है। यह एक बड़ा तोहफा है, जिसकी बहुत ज्यादा कीमत है, लेकिन मैं आपको ये नहीं बताने वाला हूं कि वह क्या है, लेकिन ये एक खास तोहफा है।' ट्रंप ने बताया कि यह तोहफा तेल और गैस से जुड़ा है। इसके अलावा ट्रंप ने ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। युद्धविराम के लिए अमेरिका ने ईरान को भेजा 15 सूत्रीय प्रस्ताव इससे पहले सोमवार को ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले पांच दिनों के लिए रोकने का एलान किया। इस दौरान ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका और ईरान की युद्धविराम को लेकर बात हो रही है। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अमेरिकी सरकार ने ईरान को 15 सूत्रीय युद्धविराम प्रस्ताव भेजा है। हालांकि ईरान की तरफ से इसे लेकर कोई बयान जारी नहीं किया गया है। इस बीच अमेरिका द्वारा पश्चिम एशिया में अपने सैनिकों की तैनाती बढ़ाई जा रही है। जिससे चर्चा है कि अगर युद्धविराम पर सहमति नहीं बनती है तो अमेरिका ईरान के खिलाफ जमीनी आक्रमण कर सकता है।

अमेरिका की 'फर्स्ट लेडी' मेलानिया ट्रंप के टेक अलायंस में शामिल हुए 45 देश

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की 'फर्स्ट लेडी' मेलानिया ट्रंप ने 45 देशों और बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों को एक साथ लाने वाला एक नया वैश्विक गठबंधन किया है। इसका उद्देश्य दुनियाभर के बच्चों के लिए शिक्षा और तकनीक तक पहुंच बढ़ाने के लिए समन्वित प्रयास करना है। अमेरिकी विदेश विभाग में आयोजित 'फोस्टरिंग द फ्यूचर टुगेदर' शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, 'एक इंसान के तौर पर हम सपने देखते हैं। लीडर के तौर पर हम आगे बढ़ते हैं। एक राष्ट्र के रूप में हम निर्माण करते हैं। आज से, आइए अपने नए ग्लोबल अलायंस को गति दें, ताकि हमारे बच्चों के विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़े।' दो दिवसीय इस सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय नेता और बड़ी टेक कंपनियां एक साथ आई हैं, ताकि डिजिटल माहौल में बच्चों के लिए शैक्षणिक संसाधनों को बढ़ाने और सुरक्षा को मजबूत करने पर मिलकर काम किया जा सके। मेलानिया ट्रंप ने कहा, 'हमारे गठबंधन का मिशन बच्चों को तकनीक और शिक्षा तक ज्यादा पहुंच देकर उन्हें सशक्त बनाना है। यह एक ऐतिहासिक क्षण है।'

अपने भाषण में 'फर्स्ट लेडी' ने एक रोडमैप भी पेश किया, जिसमें नवाचार आधारित शिक्षण कार्यक्रम विकसित करना, शिक्षा के लिए सहायक नीतियों की वकालत करना, तकनीक आधारित कानूनों को प्रोत्साहित करना और सरकारों व निजी क्षेत्र के बीच साझेदारी को मजबूत करना शामिल है। उन्होंने कहा, 'हमारा साझा दृष्टिकोण बच्चों को राजनीति, भौगोलिक सीमाओं और स्थानीय पूर्वाग्रहों से ऊपर रखता है,' और सभी सदस्य देशों से 'क्षेत्रीय बैठक

आयोजित करने, शोध अध्ययन करने, नई साझेदारियां बढ़ाने और अन्य देशों के साथ सहयोग करने' का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमारा कॉमन विजन बच्चों को राजनीति, भौगोलिक सीमाओं और स्थानीय पूर्वाग्रहों से ऊपर रखता है। उन्होंने सभी सदस्य देशों से क्षेत्रीय बैठक आयोजित करने, शोध अध्ययन करने, नई साझेदारियां बढ़ाने और अन्य देशों के साथ सहयोग करने का भी आग्रह किया। यह सम्मेलन चार प्रमुख क्षेत्रों पर केंद्रित है, जिसमें एडटेक टूल्स, शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑनलाइन सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता शामिल हैं। उन्होंने प्रमुख अमेरिकी टेक कंपनियों की भागीदारी का भी उल्लेख किया और कहा कि उद्योग की भूमिका इस पहल को आकार देने में अहम है। उन्होंने कहा, 'इससे पहले कभी इतने सारे टेक विजनरी दो दिन में स्टेट डिपार्टमेंट और व्हाइट हाउस के लीडर्स की इतनी बड़ी ग्लोबल ऑडियंस के सामने खड़े नहीं हुए थे।' उन्होंने मेटा, गूगल, ओपन एआई, माइक्रोसॉफ्ट और जूम जैसी कंपनियों का जिक्र किया और बैठक को 'अभूतपूर्व' बताया। उन्होंने कहा, 'यह कमरा असाधारण मानवीय क्षमता से भरा है। नेता इसका उपयोग अपने बच्चों को ऊपर उठाने, लोगों को सशक्त बनाने और अर्थव्यवस्थाओं को तेज करने के लिए करें। मेलानिया ने आगे कहा कि यह प्लेटफॉर्म एक 'कैपेबिलिटी मल्टीप्लायर' के तौर पर काम करेगा, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शिक्षा और वैश्विक नेतृत्व पर आधारित होगा। मेलानिया ने कहा, 'हमारा मुख्य उद्देश्य इस तेजी से बदलती दुनिया में सफल होने के लिए युवाओं को जरूरी कौशल सिखाना है। 'फर्स्ट लेडी' ने कहा कि यह समिट एक बड़े वैश्विक प्रयास की 'सिर्फ शुरुआत' है। उन्होंने कहा, 'आइए, हम सब मिलकर निवेश करें, पहुंच बढ़ाएं और शिक्षा व तकनीक के नए अवसर तैयार करें।

हम प्ले-ऑफ में पहुंचे हैं, लेकिन ट्रॉफ़ी जीतने पर ही असली सम्मान मिलेगा : संजीव गोयनका

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स टाटा आईपीएल 2026 में एक नई पहचान के साथ-साथ टीम और सपोर्ट स्टाफ़ में कुछ बड़े बदलावों के साथ आगे बढ़ना चाहेगी। जियो स्टार के 'आईपीएल टुडे लाइव ' पर बात करते हुए, एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका और क्रिकेट के ग्लोबल डायरेक्टर टॉम मूडी ने पिछले सीजन से टीम में हुए सुधारों और पहला टाइटल जीतने के दबाव पर अपने विचार साझा किए।

एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने उन एरिया के बारे में बताया जिनमें फ्रेंचाइजी ने आईपीएल 2026 सीजन में सुधार किया है। उन्होंने कहा, ÷अच्छी बात यह थी कि हमारे ज़्यादातर फ्रंटलाइन बॉलर के चोटिल होने के बावजूद हमने अपने पहले छह में से चार गेम जीते। कुछ बड़े कदम उठाए गए, एडेन मार्करम और मिशेल मार्श ने ओपनिंग की, जो उनकी आम पोजीशन नहीं है, और यह उन दोनों के लिए उनका सबसे अच्छा आईपीएल सीजन साबित हुआ। दिग्वेश राठी बिल्कुल नए खिलाड़ी के तौर पर आए और उन्होंने हमारे लिए अच्छा किया। हालांकि, हमें एहसास हुआ कि हमारे पास एक मजबूत बॉलिंग कोर की कमी है, और हमने इस बार एक घरेलू बॉलिंग यूनिट बनाकर इस पर ध्यान दिया है। आप हमेशा सुधार कर सकते हैं, सुधार का कोई अंत नहीं है। अब यह एक साथ आने और अकेले परफॉर्म करने की बात है। बहुत सारे लोग परफॉर्म कर रहे थे। इस साल, हम एक टीम के तौर पर परफॉर्म करना चाहते हैं।'

एलएसजी के लिए अपनी पहचान बनाने के लिए ट्रॉफी जीतना कैसे ज़रूरी होगा, इस पर उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि असली पहचान अभी भी बन रही है। किसी भी स्पोर्ट्स टीम के लिए, जब तक आप जीतते नहीं हैं, आपको ट्रॉफी उठाने जैसा सम्मान या प्यार नहीं मिलता है। हाँ, हम दो बार प्लेऑफ़ में पहुँचे हैं, लेकिन यह साफ़ तौर पर काफ़ी नहीं है। आप कुछ जीतते हैं, कुछ हारते हैं, लेकिन हमें अपनी पहली ट्रॉफी जीतनी है।÷

टॉम मूडी ने बताया कि सपोर्ट स्टाफ के लिए भारतीय घरेलू पेस-बॉलिंग अटैक एक फोकस एरिया क्यों था। उन्होंने कहा, ÷लखनऊ में मिस्टर गोयनका से लेकर पूरे सिस्टम तक सभी से बात करने के बाद, यह बहुत साफ़ है कि 2025 के लिए तैयारी उतनी अच्छी नहीं थी जितनी हो सकती थी। हमारे कई खिलाड़ी फिटनेस के मामले में कमज़ोर थे। अब हमारे पास जो स्क्वॉड और बैलेंस है, उसमें एक मज़बूत, हाई-क्वालिटी घरेलू फास्ट-बॉलिंग अटैक शामिल है, जिसे हमने ऑफ-सीज़न में मोहम्मद शमी के लिए ट्रेड करके स्मार्ट तरीके से जोड़ा है, जो उस ग्रुप को लीड कर सकते हैं और आगे का रास्ता दिखा सकते हैं। जिन सभी एरिया में हमें लगा कि सुधार की जरूरत है, उन पर ध्यान दिया गया है, जिसमें एक नई मेडिकल टीम लाना भी शामिल है। इस समय, हमारे सभी फास्ट बॉलर हमें सिलेक्शन में सिरदर्द दे रहे हैं, जो पहले

गेम में जाने से पहले आप बिल्कुल यही चाहते हैं।' एलएसजी के लिए ट्रॉफी जीतने के प्रेशर पर उन्होंने कहा, 'मुझे लंबे समय से प्रोफेशनल क्रिकेट से जुड़े रहने का मौका मिला है, और यही इस खेल का चार्म और चैलेंज दोनों है, प्रेशर को झेलना। जिस शांत कॉन्फिडेंस की हमने पहले बात की थी, वह इस विश्वास से आता है कि टीम इसके लिए तैयार है। आप आगे जो होने वाला है, उससे बेफिक्र हुए बिना ऐसा नहीं कर सकते। वे इसके लिए तैयार हैं।'

मीराबाई चानू ने CWG और Asiad के बीच वजन वर्ग में बदलाव की रणनीतिक योजना बनाई

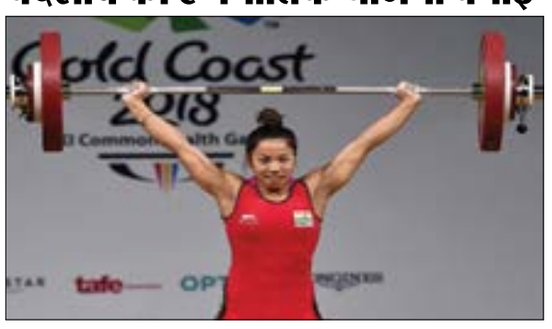

रायपुर (एजेंसी)। भारत की वेटलिफ्टिंग स्टार मीराबाई चानू ने बड़े अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स के लिए वजन वर्गों को मैनेज करने की अपनी रणनीतिक अप्रोच का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वह कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अपना वजन 48 किलोग्राम वर्ग में बनाए रखेंगी, लेकिन उसके तुरंत बाद उन्हें 49 किलोग्राम वर्ग में जाना होगा क्योंकि एशियन गेम्स दो महीने के अंदर ही होने वाले हैं।

एक दशक से भी ज्यादा समय से साइखोम मीराबाई चानू भारतीय वेटलिफ्टिंग का चेहरा रही हैं। इस दौरान उन्होंने कई शानदार मेडल जीते हैं जिनमें टोक्यो ओलंपिक्स का सिल्वर मेडल, तीन वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल और तीन कॉमनवेल्थ गेम्स में पोडियम फिनिश शामिल हैं। फिर भी मणिपुर की इस वेटलिफ्टर से एक उपलब्धि अभी भी दूर है और वो है एशियन गेम्स में मेडल जीतना। मीराबाई ने पहली बार 19 साल की उम्र में इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था और 2014 के इंचियोन एशियन गेम्स में नौवें स्थान पर रहीं थीं। बाद में पीठ की चोट के कारण उन्हें 2018 के जकार्ता एशियन गेम्स से हटना पड़ा था, जिससे उनकी तैयारियों में रुकावट आई थी।

मेडल के सबसे करीब वह 2022 के हांगझोऊ एशियन गेम्स में पहुंची थीं, जहां कूल्हे की चोट ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया था जबकि वह पोडियम फिनिश हासिल करने के बेहद करीब थीं। इस झटके के कारण उन्हें लगभग 5 महीने तक खेल से दूर रहना पड़ा था। 31 साल की इस खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 2024 के पेरिस समर ओलंपिक्स के लिए क्वालिफाई किया, जहां वह लगातार दूसरा ओलंपिक मेडल जीतने से बाल-बाल चूक गईं। तब से उनका पूरा ध्यान आखिरकार एशियन गेम्स में मेडल न जीत पाने के सूखे को खत्म करने पर लगा हुआ है।

रोहित और डिकॉक की जोड़ी विरोधियों पर भारी पड़ेगी : बद्रीनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस (एमआई) 29 मार्च को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। इसमें एक बार फिर रोहित शर्मा और क्विंटन डिकॉक मुम्बई की पारी की शुरुआत करते हुए दिखेंगे। इसी को लेकर पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने कहा है कि रोहित और डिकॉक की सलामी जोड़ी आईपीएल में विरोधी टीमों पर भारी पड़ेगी। डिकॉक को मुंबई ने आईपीएल 2026 के लिए हुई नीलामी में एक करोड़ रुपये के आधारमूल्य पर खरीदा था। डिकॉक ने मुम्बई की ओर से साल 2019 से 2021 तक खेल खेलते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। बद्रीनाथ ने कहा, 'रोहित अभी भी भारतीय टी20 टीम का हिस्सा बनने के लिए शानदार हैं। डिकॉक के साथ उसकी शुरुआती जोड़ी काफी अच्छी है।'

बद्रीनाथ ने कहा कि टीम को तिलक वर्मा को नंबर 3 पर ही उतारना चाहिये। उन्होंने यह भी कहा कि सूर्यकुमार यादव को नंबर 4 और कप्तान हार्दिक पांड्या को नंबर 5 पर ही उतारें। बद्रीनाथ ने कहा, तिलक ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के लिए नंबर 5 और 6 पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है पर अगर वह वहीं बल्लेबाजी करेंगे तो नंबर 3 पर किसे उतारा जाएगा। उसके बाद हार्दिक, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड और विल जैक्स जैसे विकल्प टीम के पास हैं। भारतीय न टीम ने रिंकू सिंह के नहीं होने की पर तिलक को नीचे बल्लेबाजी करने भेजा पर आईपीएल में तिलक को नंबर 3 पर ही उतारना चाहिये।

इस पूर्व क्रिकेटर नरे रोहित की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अभी भी इतने फिट है कि भारतीय टी20 टीम से खेल सकते है। रोहित ने टी20 प्रारुप से पहले ही संन्यास ले लिया है हालांकि वह आईपीएल में अब भी मुम्मई इंडियंस के लिए खेलते हैं।

आंकड़ों में आरसीबी पर भारी नजर आती है सनराइजर्स

बेंगलुरु (एजेंसी)। गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के अपने पहले मुकाबले में अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलेगी। इस मैच में हालांकि आरसीबी की राह आसन नहीं कही जा सकती। आंकड़ों पर नजर डालें तो आईपीएल इतिहास में इन दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 26 मुकाबले हुए हैं। जिसमें से 13 मैच सनराइजर्स हैदराबाद ने जबकि 11 मुकाबले आरसीबी ने जीते हैं। वहीं दो मैचों का परिणाम नहीं निकला। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने पिछली बार खिताबी जीता था जिससे टीम इस बार बनाये रखना चाहेगी। आरसीबी की टीम के पास अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और फिल साल्ट सहित कई अच्छे खिलाड़ी हैं। वहीं देवदत्त पडिक्कल मध्यक्रम में रनों

की जिम्मेदार संभालेंगे। इसके अलावा टिम डेविड और जितेश शर्मा ने भी आईपीएल 2025 में अपनी बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा था। रोमारियो शेफर्ड और ऋृणाल पांड्या से भी टीम को अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। वहीं वेंकटेश अय्यर के आने से टीम की बल्लेबाजी मजबूत हुई है पर टीम की कमजोरी उनकी तेज गेंदबाजी है। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मुकाबले नहीं खेलेंगे। ऐसे में स्विंग के लिए मशहूर भुवनेश्वर कुमार गेंदबाजी की कमान संभालेंगे। पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज यश दयाल भी इस बार टीम में नहीं हैं। ऐसे में न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

वहीं दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद एक बार फिर जमकर रन बनाना चाहेगी। उसके पास अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड और ईशान किशन जैसे अच्छे खिलाड़ी हैं। कप्तान पैट कमिंस के नहीं होने से ईशान शुरुआती मुकाबलों में कप्तानी संभालेंगे। वहीं हेनरिक क्लासन से भी टीम को आक्रामक बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी।

फिनिशर के तौर पर उसके पास अनिकेत वर्मा के अलावा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी हैं। लियाम लिविंगस्टन भी अपने को साबित करना चाहेंगे। सनराइजर्स की भी कमजोरी उसका गेंदबाजी आक्रमण है। मुख्य तेज गेंदबाज कमिंस के नहीं होने से गेंदबाजी की जिम्मेदारी ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट के पास रहेगी। वहीं स्पिन की जिम्मेदारी युवा स्पिनर जीशान अंसारी के पास रहेगी।

ऋतुराज बोले, सैमसन और मैं करेंगे सीएसके की पारी की शुरुआत

चेन्नई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा है कि इस सत्र में वह संजू सैमसन के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। गायकवाड़ के इस बयान के बाद टीम की सलामी जोड़ी को लेकर लगायी जा रही अटकलें भी समाप्त हो गयी हैं। सैमसन इस सत्र में रॉयल्स को छोड़कर सीएसके से जुड़ गये थे। ऋतुराज ने कहा कि तीसरे नंबर पर आयुष म्हात्रे उतरेंगे। सैमसन ने पिछले कुछ समय में शानदार प्रदर्शन कर दिखाया है कि टी20 में वह पारी की शुरुआत के लिए काफी अच्छे हैं। सैमसन ने टी-20 विश्व कप 2026 में में भी काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 300 से अधिक रन बनाये थे। ऐसे में सीएसके को उनसे इसी प्रकार के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। वहीं गायकवाड़ आईपीएल के पिछले सत्र में केवल पांच मैच ही खेल सके थे। जिसमें उन्होंने 150 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 122 रन बनाए थे। ऐसे में वह इस बार अधिक से अधिक रन बनाने का प्रयास करेंगे। चेन्नई सुपरकिंग्स का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में बेहद निराशाजनक रहा था। टीम 14 में से सिर्फ 4 ही मैच जीत सकी थी जबकि 10 मुकाबलों में टीम को हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि, इस बार टीम ने कई युवा खिलाड़ियों को शामिल किया है जिससे उसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। आईपीएल मुकाबले इसी माह के अंत में खेले जाएंगे।

आरसीबी और राजस्थान के बिकने से बीसीसीआई को भी करोड़ों रुपये का फायदा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 19 वां सत्र शुरु होने से पहले ही करोड़ों रुपये का फायदा हुआ है। बोर्ड को ये लाभ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) जैसी टीमों के बिकने से हुआ है। आरसीबी जहां 16660 करोड़ रुपए, वहीं आरआर 15290 करोड़ रुपए में बिकी। इस तरह दोनों टीम टीमों को मिला दिया जाये तो करार की रकम 31000 करोड़ रुपए तक पहुंच गयी है। जिससे बीसीसीआई को भी ट्रेड डील के तहत मोटी रकम मिली है। गौरतलब है कि आईपीएल में जब भी किसी टीम का मालिक बदलता है तो बीसीसीआई को ट्रेड डील के तहत 5-5 फीसदी कमीशन दिया जाता है। ऐसे में आरसीबी के बिकने से बीसीसीआई को 833 करोड़ और राजस्थान से करीब 750 करोड़ रुपए कमीशन के तहत मिले हैं। इससे क्रिकेट बोर्ड को बिना कुछ किये ही 1583 करोड़ रुपए मिले हैं। इस करार के अलावा बीसीसीआई को हर साल आईपीएल से करोड़ों का राजस्व मिलता है। आरसीबी को आदित्य बिरला ग्रुप, अमेरिकी खेल निवेशक डेविड ब्लिट्ज़र और अमेरिकी निजी इक्विटी फर्म ब्लैकस्टोन ने मिलकर खरीदा है। वहीं राजस्थान रॉयल्स को काल सोमानी के समूह ने खरीदा है। राजस्थान और आरसीबी की टीम आईपीएल में एक-एक बार की चैंपियन रही है। राजस्थान की टीम ने आईपीएल के पहले सत्र में साल 2008 में खिताब जीता था।

आईपीएल के इस सत्र में डिविलियर्स और उथप्पा को पीछे छोड़ सकते हैं राहुल

नई दिल्ली। इस माह के अंत में शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज केएल राहुल के पास एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम हासिल करने का अवसर रहेगा। राहुल इस सत्र में सबसे ज्यादा बाउंड्री लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स और अपने ही हमवतन रॉबिन उथप्पा को पीछे छोड़ सकते हैं। राहुल अभी 145 मैचों में 660 बाउंड्री के साथ नौवें नंबर पर हैं। राहुल ने 452 चौके और 208 छक्के लगाये हैं। राहुल को डिविलियर्स का रिकार्ड तोड़ने के लिए पांच और उथप्पा को पीछे छोड़ने चार बाउंड्री चाहिये। विलियर्स ने 184 आईपीएल मैचों में 664 बाउंड्री लगायी हैं। इस दौरान उन्होंने 413 चौके और 251 छक्के लगाये और दिल्ली व आरसीबी की ओर से खेला। वहीं उथप्पा ने 205 मुकाबलों में से 663 में बाउंड्री लगाई। उन्होंने 481 चौके और 182 छक्के लगाये। वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) समेत पांच फ्रेंचाइजी में शामिल रहे। लीग में सबसे अधिक 1062 का रिकार्ड विराट कोहली का है जबकि 942 बाउंड्री के साथ ही रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर है। 920 बाउंड्री के साथ शिखर धवन तीसरे जबकि 899 के साथ ही डेविड वार्नर पांचवे नंबर पर हैं।

आईपीएल से पहले नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों पर भड़के गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने लीग की शुरुआत से ठीक पहले नाम वापस लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों को आड़े हाथों लिया है। गावस्कर ने कहा कि इस प्रकार का रवैया ठीक नहीं है। इसके खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत है। पिछले कुछ समय से लगातार देखने में आया है कि खिलाड़ी लीग से पहले कई प्राकर की बहानेबाजी कर हट जाते हैं जिससे टीम को नुकसान होता है। गावस्कर ने कहा कि टीम करोड़ों रुपये देकर जब इन खिलाड़ियों का अनुबंधित करती। इसके बाद टीम की रणनीत बनती है पर इनके नहीं खेलने से सब बेकार हो जाता है। एक रिपोर्ट के अनुसार गावस्कर का कहना गलत नहीं है। टीम नीलामी में करोड़ों रुपये खर्च कर विदेशी खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ती

हैं, उनकी भूमिका तय करती हैं और उसी हिसाब से टीम का संयोजन बनाती हैं।

वहीं जब यही खिलाड़ी टूर्नामेंट के अहम समय पर गायब हो जाते हैं, उसके लिए सभी कुछ बेकार हो जाता है।

आमतौर पर चोट, वर्कलोड मैनेजमेंट, या फिर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए खिलाड़ी हटते हैं।यह अपने आप में गलत नहीं है। किसी भी खिलाड़ी का फिट रहना और लंबे समय तक खेलना प्राथमिकता होनी चाहिए पर ये सवाल यह है कि जब खिलाड़ी आईपीएल अनुबंध करते हैं तभी उन्हें सभी बातों का ध्यान रखना चाहिये।

यहां मामला 'उपलब्धता' से ज्यादा 'प्राथमिकता' का है। इससे आईपीएल की साख भी प्रभावित हो रही है। ऐसा लगता हैकि आईपीएल विदेशी खिलाड़ियों के लिए सिर्फ एक विकल्प बनकर रह गया है, जहां वे सुविधा के अनुसार खेलते हैं और असुविधा होते ही हट जाते हैं जिस स्वीकार नहीं किया जा सकता। ऐसे खिलाड़ियों को लीग से प्रतिबंधित कर दिया जान चाहिये। ऐसे में फ्रेंचाइजियां को अपने चयन में अधिक सतर्कता रखते हुए केवल उसी खिलाड़ी को शामिल करना चाहिये जो खेलन को लेकर गंभीर हो। खिलाड़ी की उपलब्धता और प्रतिबद्धता के ट्रैक रिकॉर्ड को भी चयन में पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 सीजन से पहले स्टेडियम में की पूजा

चंडीगढ़। पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सीजन से पहले बुधवार को न्यू चंडीगढ़ के नए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पूजा की। आज यहां इस मौके पर टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग, स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले और विकेटकीपिंग कोच ब्रैड हैडिन मौजूद थे। टीम ने आने वाले सीजन के लिए आशीर्वाद मांगा। फ्रेंचाइजी एक रोमांचक अभियान के लिए पूरी तरह से तैयार है। पंजाब किंग्स अपने आईपीएल 2026 सीजन की शुरुआत 31 मार्च को अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटन्स के खिलाफ करेंगे।

अर्जुन तेंदुलकर पर टिप्पणी को लेकर अश्विन पर भड़े योगराज

मुम्बई। अर्जुन तेंदुलकर को लेकर दिये बयान को लेकर पूर्व स्पिनर आर अश्विन और पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह में ठन गयी है। अर्जुन आईपीएल के इस सत्र में मुंबई इंडियंस की जगह पर लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलेंगे। इसी को लेकर अश्विन की टिप्पणी आई है। जिसमें उन्होंने कहा है कि टीम में पहले से ही मयंक यादव, मोहसिन खान, आवेश खान और मोहम्मद शमी जैसे अच्छे तेज गेंदबाज हैं। ऐसे में अर्जुन के लिए अंतिम एकादश में जगह बनाना आसान नहीं होगा और उन्हें काफी प्रयास करना होगा। वहीं अश्विन के इस बयान से योगराज नाराज हो गये। उनका कहना है कि अश्विन की टिप्पणी गलत है। साथ ही कहा कि किसी भी खिलाड़ी की क्षमता पर इस तरह सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करना गलत है। योगराज ने यहां तक कह दिया कि अगर अर्जुन छह महीने में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज नहीं बनते, तो वह अपनी दाढ़ी कटवा लेंगे। योगराज ने साथ ही कहा कि अर्जुन को केवल गेंदबाज के रूप में देखना गलत है, बल्कि वह एक ऑलराउंडर के तौर पर अधिक प्रभावी साबित हो सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अर्जुन की फिटनेस और तकनीक को लेकर पहले भी चर्चा हो चुकी है और सही मार्गदर्शन मिलने पर वह बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। अर्जुन के लिए यह सीजन काफी अहम माना जा रहा है। मुंबई इंडियंस में सीमित अवसर मिलने के बाद लखनऊ ने उन्हें अवसर दिया है। अब टीम संयोजन और प्रदर्शन के आधार पर ही उनका भविष्य तय होगा।

थॉमस और उबर कप बैडमिंटन में लक्ष्य और सिंधु पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिटंन स्टार लक्ष्य सेन अगले महीने होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष टीम की कमान संभालेंगे। वहीं ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा उबर कप में महिला टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ ने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में होने वाले थॉमस कप के लिए लक्ष्य के अलावा, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बरकरार रखा है। वहीं युवा आयुष शेट्टी को को भी पहली बार टीम में जगह दी है। पुरुष टीम में एमआर अर्जुन ध्रुव कपिला और किरण जॉर्ज को भी जगह मिली है। वहीं उबर कप में सिंधु, शीर्ष युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली भारती की ओर से पदक की प्रबल दावेदार रहेंगी। भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी पर इस बार उसका लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उन्नति हुडा के साथ देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में रहेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं। टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

मियामी ओपन 2026: सबालेंका और राइबाकिना के बीच सेमीफाइनल में होगी टक्कर

मियामी (एजेंसी)। मियामी में खेले जा रहे प्रतिष्ठित मियामी ओपन 2026 में महिला एकल वर्ग में वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका और दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी एलेना राइबाकिना के बीच एक और हाई-वोल्टेज मुकाबला देखने को मिलेगा। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका ने अमेरिका की हैली बैपटिस्ट को 6-4, 6-4 से हराया। वहीं राइबाकिना ने पांचवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को 2-6, 6-3, 6-4 से शिकस्त दी। पेगुला पिछले साल इसी टूर्नामेंट में सबालेंका से फाइनल हार चुकी थीं।

दोनों स्टार खिलाड़ी गुरुवार रात हार्ड रॉक स्टेडियम में फाइनल में जगह बनाने के लिए आमने-सामने होंगी।

सबालेंका और राइबाकिना के बीच हाल के मुकाबले बेहद रोमांचक रहे हैं। इस साल जनवरी में खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में राइबाकिना ने सबालेंका को हराया था, जो 2026 में सबालेंका की एकमात्र हार रही। हालांकि, सबालेंका ने इंडियन वेल्स ओपन के फाइनल में जीत दर्ज कर उसका बदला चुका लिया।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा कि राइबाकिना के खिलाफ मुकाबले हमेशा कड़े और रोमांचक होते हैं और वह इस भिड़ंत को लेकर काफी उत्साहित हैं। सबालेंका अब 'सनशाइन डबल' (इंडियन वेल्स और मियामी ओपन जीतने) से सिर्फ दो जीत दूर हैं।

क्वार्टरफाइनल में सबालेंका को बैपटिस्ट से कड़ी चुनौती मिली, लेकिन अहम मौकों पर उन्होंने दबाव संभालते हुए जीत दर्ज की।

दूसरी ओर, राइबाकिना ने पेगुला के खिलाफ खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की। पहला सेट गंवाने के बाद उन्होंने लय पकड़ी और लगातार पांचवीं बार पेगुला को हराया।

पुरुष वर्ग में लेहेका की जीत

पुरुष एकल वर्ग में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका ने स्पेन के क्वालीफायर मार्टिन लैंडालुसे को 7-6(7/1), 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

लेहेका को यह जीत आसान नहीं रही, क्योंकि लैंडालुसे ने पहले सेट में सभी ब्रेक प्वाइंट बचाए। हालांकि, टाईब्रेक में लेहेका ने दबदबा बनाया और दूसरे सेट के अंतिम गेम में ब्रेक हासिल कर मैच अपने नाम किया। अब लेहेका का मुकाबला अमेरिका के टॉमी पॉल और फ्रांस के आर्थर फिल्स के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

कुंभकर्ण की भूमिका में नजर आएंगे फैसल मलिक

फिल्म 'रामायण' सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाले प्रोजेक्ट्स में से एक है। इस फिल्म में रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश जैसे कई बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। फिल्म को लेकर फैंस उत्साहित हैं। खबर है कि इस फिल्म से 'पंचायत' फेम फैसल मलिक भी जुड़ रहे हैं। वह इसमें अहम किरदार निभाएंगे।

'रामायण' में कुंभकर्ण की भूमिका के लिए फैसल मलिक को चुना गया है। इससे पहले, इस भूमिका के लिए बॉबी देओल का नाम सामने आया था। फैसल मलिक को सीरीज 'पंचायत' में प्रह्लादचा का किरदार निभाने के लिए जाना जाता है। हाल ही में उन्हें अनिल कपूर की फिल्म 'सूबेदार' में भी देखा गया था।

पहला शेड्यूल पूरा किया

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल पूरा कर लिया है। बताया जाता है कि वह मुंबई के प्राइम फोकस स्टूडियो में कुंभकर्ण के शुरुआती सीन के लिए यश के साथ शामिल हुए। सूत्र ने पोर्टल को बताया कि फैसल मलिक की लंबाई और उनकी अच्छी-खासी कद-काठी उन्हें इस रोल के लिए एकदम सही बनाती है। अब तक, फैसल मलिक को कास्ट किए जाने की कोई भी आधिकारिक पुष्टि न तो फिल्म बनाने वालों की तरफ से हुई है और न ही एक्टर की तरफ से।

रामायण की कास्ट

वैरायटी इंडिया ने हाल ही में जानकारी दी थी कि राघव जुयाल को रामायण में मेघनाद (जिसे इंद्रजीत भी कहा जाता है) का रोल निभाने के लिए चुना गया है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम का रोल निभा रहे हैं, वहीं साई पल्लवी देवी सीता के रूप में नजर आएंगी। यश इस फिल्म में रावण के रूप में दिखाई देंगे। सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण का रोल निभाएंगे। काजल अग्रवाल और रकुल प्रीत सिंह मंदोदरी और शूर्पणखा के रूप में नजर आएंगी।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी कर रहे हैं। रामायण पार्ट वन इस दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है, जबकि इसका दूसरा भाग 2027 की दिवाली पर रिलीज होगा।

सपनों को उड़ान देने के लिए पंख जरूरी और ये पंख हमारे अपने होते हैं

सपनों को पूरा करने की दौड़ में कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में अगर किसी का सहारा मिले तो संघर्ष कुछ हद तक आसान लगने लगता है। यही बात बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि टैलेंट के साथ-साथ अगर किसी का साथ मिल जाए तो इंसान कामयाबी हासिल कर सकता है। दिव्या दत्ता ने कहा, ''हर इंसान के अंदर टैलेंट जरूर होता है, लेकिन उसे पहचानने के लिए किसी अपने का साथ जरूरी होता है। जब किसी व्यक्ति को परिवार का साथ मिलता है तो उसका आत्मविश्वास और हौसला दोगुना हो जाता है। सपनों को उड़ान देने के लिए पंख चाहिए होते हैं, और ये पंख हमारा अपना परिवार और अपने ही लोग ही होते हैं।'' दिव्या दत्ता ने अपना अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, ''मैंने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोगों को देखा है कि वे किस तरह अपनी पहचान बना रहे हैं। कोई गृहिणी अपने कुकिंग टैलेंट को दुनिया के सामने ला रही है, तो कोई ट्रैवल ब्लॉग के जरिए लोगों के बीच अपनी पहचान बना रहा है। इन सभी कहानियों में एक चीज समान है, और वो है अपने परिवार और करीबियों का साथ... इस साथ के जरिए उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत मिलती है।''

उन्होंने कहा, ''मैंने अक्सर देखा है कि लोग अपनी ही दुनिया में सिमटे रहते हैं और ये मानकर बैठे रहते हैं कि उनकी परेशानियां और संघर्ष सबसे बड़े हैं, लेकिन जब हम दूसरों की कहानियों को देखते हैं, तब पता चलता है कि हर किसी की अपनी-अपनी लड़ाई है, जिसे लड़कर वह आगे बढ़ रहे हैं। ऐसे में अगर किसी को थोड़ा सा भी सहारा मिल जाए तो वह बड़ी से बड़ी मुश्किल को पार कर सकता है।'' इस बातचीत में फिल्ममेकर सशांत शाह ने भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''आज के समय में सोशल मीडिया एक बड़ा प्लेटफॉर्म बन चुका है। यहां हर किसी के टैलेंट को मौका मिलता है, लेकिन साथ ही यह भी जरूरी है कि टैलेंट को सही समर्थन भी मिले। अगर किसी के अंदर काबिलियत है तो उसे आगे लाने के लिए किसी का साथ मिलना बहुत जरूरी है।''

रोमांटिक अंदाज में वापसी करेंगे शाहरुख

शाहरुख खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर रोमांस का जादू बिखेरने की तैयारी में हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म 'किंग' के बाद किंग खान एक बिग बजट रोमांटिक फिल्म में नजर आ सकते हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म में उनका लुक काफी अलग और विंटेज स्टाइल का होगा, जो दर्शकों के लिए नया अनुभव लेकर आएगा। रिपोर्ट के मुताबिक यह फिल्म क्लासिक लव स्टोरी पर आधारित होगी, जिसमें इमोशंस और पुराने दौर की फीलिंग्स को मॉडर्न टच के साथ पेश किया जाएगा। मेकर्स इस प्रोजेक्ट को बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि दर्शकों को एक भव्य सिनेमैटिक अनुभव मिल सके। रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख इस फिल्म में एक परिपक्व और गहराई वाले किरदार में दिखाई देंगे। उनका यह अवतार उनके पुराने रोमांटिक इमेज की याद दिलाएगा, जिसे दर्शकों ने 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है' और 'वीर-जारा' जैसी फिल्मों में खूब पसंद किया था।

श्रीलीला ने बताया क्यों छोड़ना चाहती थीं इंडस्ट्री

तेलुगु अभिनेत्री श्रीलीला इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस फिल्म में वो पवन कल्याण के साथ नजर आई हैं। इस बीच श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की और बताया कि ट्रोलिंग से उन पर क्या प्रभाव पड़ता है। उन्होंने ये भी बताया कि आखिर क्यों उन्होंने फिल्में छोड़ने तक का प्लान भी बना लिया था?

पहले ट्रोलिंग करती थी परेशान

श्रीलीला ने ट्रोलिंग को लेकर बात की। उनसे पूछा गया कि क्या ट्रोलिंग उन्हें परेशान करती है? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि जब मैंने इस इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, तब तो करती थी। मुझे बहुत बुरा लगता था, मैं रोती थी। मैंने अपनी मां से भी कहा था, मुझे नहीं लगता कि मैं यह कर पाऊंगी। क्या मुझे वापस स्कूल या कॉलेज जाना चाहिए? मैं बहुत संवेदनशील थी, लेकिन अब मुझे इसकी परवाह नहीं है। श्रीलीला ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि आजकल लोगों में अपनी बुद्धि होती है। इसलिए, निगेटिविटी देखने पर भी वे थोड़ा सोचते हैं। आजकल के लोगों में पहले से ज्यादा बुद्धि होती है। इसलिए वो ज्यादा ही सोचते हैं।

कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी श्रीलीला

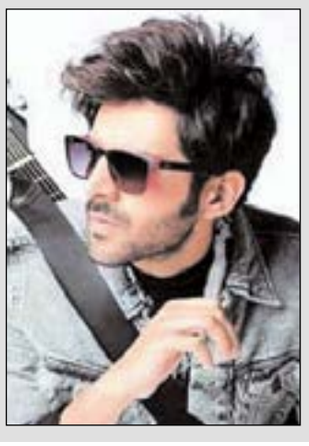

वर्कफ्रंट की बात करें 'उस्ताद भगत सिंह' के बाद श्रीलीला अब अनुराग बसु द्वारा निर्देशित अनाम फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में वो कार्तिक आर्यन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। यह एक म्यूजिकल लव स्टोरी है। पहले इसे 'आशिकी 3' बताया जा रहा था, हालांकि, बाद में मेकर्स ने साफ किया कि ये 'आशिकी 3' नहीं है। अब फिल्म का नाम 'तू मेरी जिंदगी है' बताया जा रहा है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

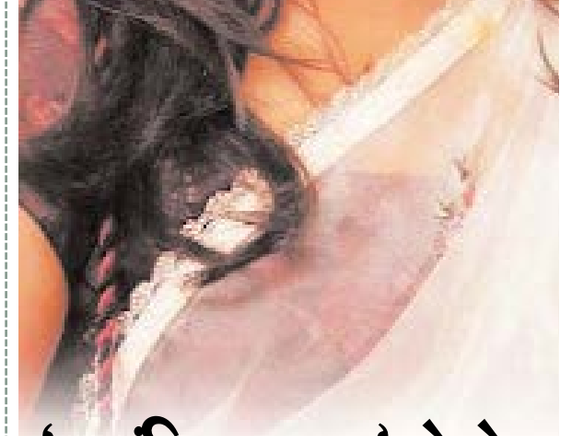

'द इंडिया हाउस' से मेरा हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है

अभिनेत्री सई मांजरेकर अपनी पैन इंडिया फिल्म 'द इंडिया हाउस' को लेकर काफी काफी उत्साहित हैं। 1905 में प्रेम और क्रांति की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में सई सती की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर सई का कहना है कि एक हिस्टोरिकल ड्रामा में काम करने का उनका सपना रहा है, जो इस फिल्म के साथ पूरा हो रहा है।

बातचीत में एक्ट्रेस ने फिल्म को लेकर कहा कि किसी ऐतिहासिक फिल्म में अभिनय करना हमेशा से मेरा सपना रहा है। जब मुझे पता चला कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं, तभी से मैं एक ऐतिहासिक फिल्म में काम करना चाहती थी। इसलिए यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। 'द इंडिया हाउस' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास और अद्भुत अनुभव है। जब मैंने पहली बार इसकी कहानी सुनी, तो मुझे पता चल गया कि यह सिर्फ एक और फिल्म नहीं है, बल्कि एक ऐसी कहानी है जिसमें भावनाएं, इतिहास और उद्देश्य समाहित हैं।

अपने किरदार को लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि मेरा किरदार सती का है, और यह एक खूबसूरत भूमिका है। वह दृढ़ इच्छाशक्ति वाली होने के साथ-साथ कोमल और दयालु भी हैं। अपने भीतर इस संतुलन को खोजना एक बेहद यादगार अनुभव रहा। मुझे याद है कि एक सीन के बीच में मैं अक्सर 'प्लीज' या 'धन्यवाद' जैसे शब्द बोल देती थी, जो हम अन्य जॉनर में आसानी से इस्तेमाल करते हैं। फिर मैं माफी मांगती और सीन दोबारा करती। उस दौर के बारे में जानना और लोगों के रहन-सहन, पहनावे और बोलने के तरीके को समझना एक दिलचस्प अनुभव रहा है। इतने समृद्ध इतिहास से घिरे हम्पी में शूटिंग करने से मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।

भाग्यशाली हूं राम चरण के साथ काम करने का मौका मिला

फिल्म की टीम के साथ काम करने के अनुभव को लेकर सई ने कहा कि राम चरण के पहले प्रोडक्शन में काम करना मेरे लिए सचमुच अनमोल है। वो साउथ इंडस्ट्री के सबसे बड़े स्टार्स में से एक हैं। सिनेमा और इसमें शामिल हर व्यक्ति के प्रति उनका सम्मान इस फिल्म के हर पहलू में झलकता है। खिल सिद्धार्थ और अनुपम खेर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए एक बड़ा सीखने का अनुभव रहा है।

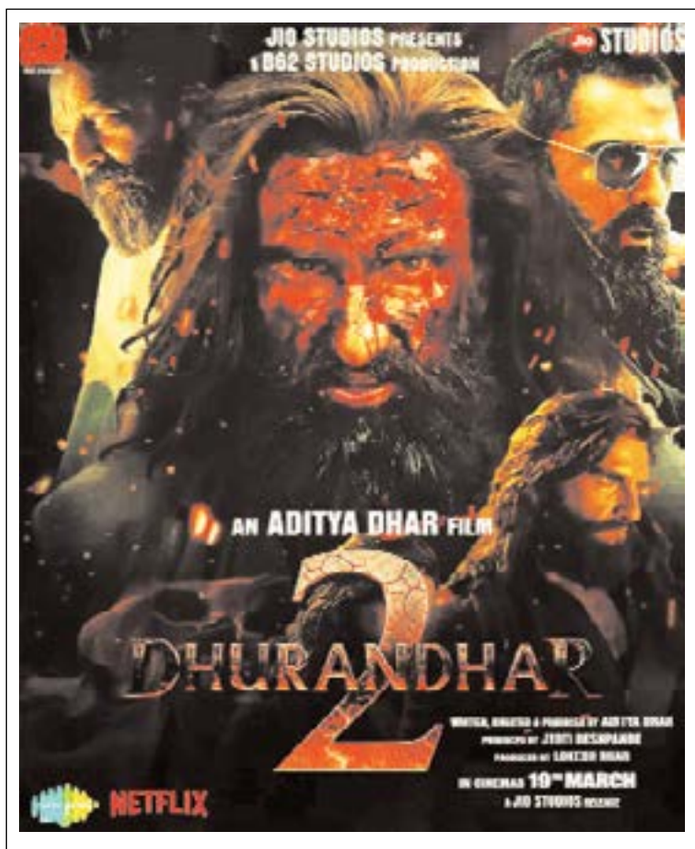

धुरंधर 2 के नए कलाकारों अपनी एक्टिंग से किया हैरान

'धुरंधर' की सफलता के बाद अब 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। इस बार फिल्म को लेकर लोगों का उत्साह पहले पार्ट से भी ज्यादा देखने को मिल रहा है। दूसरे पार्ट में कहानी आगे बढ़ती है। यही कारण है कि इस बार फिल्म की कास्ट में कई नए कलाकार भी शामिल हुए हैं। जानते हैं 'धुरंधर 2' में शामिल हुए नए कलाकारों के बारे में।

दानिश इकबाल

'धुरंधर' के बाद हर किसी को इंतजार था कि 'धुरंधर 2' में बड़े साहब कौन है? अब फिल्म की रिलीज के बाद इस बात से पर्दा हट चुका है। क्योंकि बड़े साहब के किरदार में दानिश इकबाल नजर आए हैं। फिल्म में उन्होंने जबरदस्त काम किया है और अपने किरदार से इंसाफ किया है।

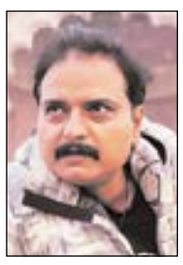

यामी गौतम

ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि 'धुरंधर 2' में यामी गौतम भी नजर आ सकती हैं। अब 'धुरंधर 2' के रिलीज होने के बाद यामी गौतम का फिल्म कैमियो नजर आया है। 'धुरंधर : द रिवेंज' में यामी शाजिया बानो की भूमिका निभा रही हैं, जो एक नर्स है। हालांकि, इसके आगे बताना स्पॉइलर हो जाएगा। लेकिन इस स्पाई-थ्रिलर में यामी का कैमियो है।

उदयबीर संधू

यामी गौतम के अलावा 'धुरंधर 2' में अभिनेता उदयबीर संधू ने भी अहम भूमिका निभाई है। उदयबीर फिल्म में जसकीरत सिंह रांगी (रणवीर सिंह) के करीबी दोस्त गुरबाज सिंह का किरदार निभा रहे हैं। उन्हें प्यार से पिंडा कहा जाता है।

भाषा सुंबली

'द कश्मीर फाइल्स' से चर्चा में आईं अभिनेत्री भाषा सुंबली भी इस स्पाई-थ्रिलर में नजर आई हैं। उन्होंने 'धुरंधर 2' में एक वकील की भूमिका निभाई है। उनका किरदार बहुत लंबा तो नहीं, लेकिन महत्वपूर्ण जरूर है।

मधुरजीत सरघी

मधुरजीत सरघी जसकिरत सिंह रांगी यानी रणवीर सिंह की मां प्रभनीत कौर रांगी के किरदार में नजर आती हैं। वो इससे पहले टेलीविजन शो और कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

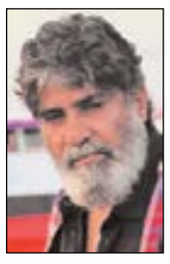

सुविंदर पाल

सुविंदर पाल ने ब्रिगेडियर जहांगीर का किरदार निभाया है। कोहरा फिल्म के लिए मशहूर इस अभिनेता को 'धुरंधर द रिवेंज' में अर्जुन रामपाल उर्फ मेजर इकबाल के पिता के रूप में देखा जा सकता है।

परवीर कौर

जसकीरत सिंह रांगी की बहन के किरदार में परवीर कौर नजर आई हैं। उन्होंने फिल्म में जसलीन कौर रांगी की भूमिका निभाई है। फिल्म में उनकी भूमिका अहम है।

हितिका बाली

अभिनेत्री हितिका बाली ने 'धुरंधर 2' में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वो फिल्म में जसकीरत सिंह रांगी की दूसरी बहन हरलीन कौर रांगी के रोल में नजर आई हैं।

दीव जिले में रामनवमी पर निकाली गई श्रीराम की भव्य शोभायात्रा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 26 मार्च।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दीव में रामनवमी मनाई गई। इस अवसर पर दीव श्रीराम सेना मंडल की ओर से गंगेश्वर मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में रामभक्तों ने हिस्सा लिया, पूरा दीव भक्तिमय हो गया। दीव के फुदम में गंगेश्वर महादेव मंदिर से निकली शोभायात्रा गांधीपारा से होते हुए दीव की मुख्य सड़कों पर घूमते हुए झांपा के बाहर संपन्न हुई। गाजे बाजे के साथ निकली श्रीराम शोभायात्रा में बडी संख्या में शामिल भक्तों द्वारा जय श्रीराम के जयकारों से पूरा शहर गूंज उठा। श्रीराम शोभायात्रा का भक्तों द्वारा जगह-जगह आरती उतारी गई। इस शोभायात्रा में बडी संख्या में भक्तों ने शामिल होकर श्रीराम जन्मोत्सव मनाया।

श्री बटुक हनुमान मंदिर के सेवकों ने रामनवमी महोत्सव का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 26 मार्च। दीव के घोघला चेकपोस्ट के पास गुजरात राज्य में स्थित श्री बटुक हनुमान मंदिर के सेवकों द्वारा रामनवमी पर श्रीराम जन्मोत्सव का आयोजन किया गया था। इसके तहत आज दोपहर 12 बजे महाआरती का आयोजन किया गया था। इस दौरान रामभक्तों ने श्रीराम, लक्ष्मण और जानकी की प्रतिमा की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती की। इसके बाद श्री बटुक हनुमान मंदिर से रामभक्तों द्वारा श्रीराम की शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा घोघला चेकपोस्ट, घोघला आवास योजना, घोघला झांपा, घोघला गौशाला, दीव सर्कल होते हुए कपिलेश्वर मित्र मंडल, गणेशनगर से पानी की टंकी, लखवाई माता मंदिर तक बाइक के माध्यम से पहुंची। जिसके बाद रामभक्तों ने पैदल शोभायात्रा निकाली जिसमें बडी संख्या में भक्त शामिल हुए। यह शोभायात्रा मीठाबावा से घोघला मेइन रोड होते हुए वाणिया शेरी, कोलीवाडा, पंचायत चौक मेइन रोड, कमलेश्वर मंदिर होते हुए वापस बटुक हनुमान मंदिर पहुंची। शाम को मंदिर प्रांगण फराली प्रसाद का आयोजन किया गया। इसके बाद संध्या आरती की गई। पूरे कार्यक्रम का आयोजन श्री बटुक हनुमान मंदिर सेवकगण, विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के सहयोग से किया गया।

दादरा नगर हवेली के सभी ग्राम पंचायतों में चौपाल ग्रामसभा का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 26 मार्च।

संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में तथा भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा महात्मा गांधी नरेगा (वीबी-जी राम-जी) योजना के अंतर्गत संचालित ग्राम संवाद गतिविधि के तहत दादरा नगर हवेली के सभी ग्राम पंचायतों में 25 मार्च 2026 को चौपाल ग्रामसभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्यों, सरपंचों, वॉर्ड सदस्यों, पंचायत सचिवों, ग्राम पंचायत के अधिकारियों, आंगणवाडी कार्यकर्ताओं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। इसके अतिरिक्त ग्राम चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों को यह भी अवगत कराया गया कि वे महात्मा गांधी नरेगा (वीबी-जी राम-जी) योजना का लाभ किस प्रकार प्राप्त कर सकते हैं, कार्य की मांग करने की प्रक्रिया क्या है, भुगतान में पारदर्शिता कैसे सुनिश्चित की जाती है, कार्यों के चयन की प्रक्रिया तथा शिकायत निवारण की व्यवस्था किस प्रकार कार्य करती है। इससे ग्रामीणों में योजना के प्रति विश्वास एवं जागरूकता में वृद्धि हुई। इस ग्राम चौपाल के आयोजन का मुख्य उद्देश्य वीबी-ग्राम-जी अधिनियम, 2025 के अंतर्गत प्रदान किए जा रहे विभिन्न प्रावधानों, योजनाओं एवं लाभों के बारे में ग्रामीणों को विस्तृत जानकारी देना था।

रामनवमी के दिन दुधनी में किया गया हिमाय माता मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा

■ कोंकणी आदिवासी समाज पहली बार कौंचा में अपने कुलदेवी के मंदिर को स्थापित करने में रहा सफल ■ भाजपा के वरिष्ठ नेता और कोंकणी समाज के वरिष्ठ सदस्य महेश गावित की अगुवाई में मंदिर की स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव हुआ संपन्न

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 26 मार्च। दादरा नगर हवेली के दूर दराज आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र कौंचा ग्राम पंचायत में कोंकणी आदिवासी समाज द्वारा पहली बार रामनवमी के शुभ अवसर पर समाज की कुलदेवी हिमाय माता के मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा किया गया। जिसमें भारी संख्या में समाज के अग्रणियों ने भाग लिया। उल्लेखनीय की दादरा नगर हवेली में कई आदिवासी जनजातियां आदिकालीन अपनी पूजा-पद्धति और संस्कृतियों के समन्वय के साथ रहती है। लेकिन इन सभी आदिवासी समाज के पूजा-पद्धतियां सनातनी व्यवस्थाओं की अनुकूल और अनुरूप ही होती है, जिसके कारण चाहे वह धोडिया समाज हो या वारली समाज हो या फिर कोंकणी समाज हो सभी समाजों में कुल देवियों की पूजा का प्रचलन रहा है, जैसा की सनातन धर्म में कुल देवी का महत्व रहा है। इस संबंध में भाजपा के पूर्व वरिष्ठ पदाधिकारी महेश गावित ने बताया कि कोंकणी समाज के नवयुवकों और आने वाले पीढियों को सामाजिक और सांस्कृतिक तथा हमारी पूजा-पद्धतियों को उन तक ले जाने के लिए कोंकणी समाज के कुलदेवी की स्थापना आवश्यक हो गया था। इसी को ध्यान में रखकर जब कोंकणी समाज पहली बार अपनी कुलदेवी की पूजा जिस स्थान पर किया था इस स्थान पर कुल देवी की मंदिर की स्थापना की गई है जो आने वाली पीढियां को उनके संस्कृतियों और परंपराओं तथा जड़ों से जोड़कर रखें। रामनवमी के दिन पूर्ण रूप से सनातनी पूजा पद्धति के अनुसार हिमाय माता मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को संपन्न कराया गया और महाप्रसाद भी रखा गया था।

गुजरात में अत्याचार रोकथाम पर सख्ती, 100% शिकायत निस्तारण में राज्य देश में अव्वल

गांधीनगर (ईएमएस)। गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। यह समिति सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) संशोधन नियम-2018 के तहत गठित की गई है। बैठक में वर्ष 2025 के दौरान अनुसूचित जाति और जनजाति के विरुद्ध दर्ज मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही, पीड़ितों को दी गई आर्थिक सहायता, सामाजिक समरसता के लिए उठाए गए कदमों तथा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा हुई। प्रस्तुति के दौरान बताया गया कि राज्य में मार्च 2022 से ''नेशनल हेल्पलाइन अगेंस्ट एट्रोसिटी'' के अंतर्गत अल्ट्रा मॉडर्न कॉल सेंटर कार्यरत है, जहां प्राप्त शिकायतों का 100 प्रतिशत निस्तारण कर गुजरात देश में प्रथम स्थान पर रहा है। सरकार ने जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 के बीच अत्याचार पीड़ितों को कुल 23.62 करोड़ की सहायता प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिलों में प्रत्येक तीन महीने पर जिला सतर्कता समितियों की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में 'ऑल कास्ट अंडर वन रूफ' के उद्देश्य से 2016 से शुरू की गई समरस हॉस्टल योजना के तहत अब तक 12 जिलों में 23 हॉस्टलों का लाभ 1.03 लाख छात्रों को मिल चुका है। इसके अतिरिक्त 11 बालक और 14 बालिका हॉस्टल भी स्वीकृत किए गए हैं। अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के तहत मामलों के त्वरित निपटारे के लिए राज्य में विशेष अदालतों के साथ 16 एक्सक्लूसिव स्पेशल कोर्ट भी कार्यरत हैं। बैठक में संबंधित मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भाग लेकर विभिन्न सुझाव और प्रस्तुतियां दीं। मुख्यमंत्री ने सभी से संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए सामाजिक समरसता को और सुदृढ़ बनाने का आह्वान किया।

दीव पुलिस ने अवैध शराब के साथ दो व्यक्तियों को किया गिरफ्तार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 26 मार्च। दीव पुलिस ने जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा उपायों को और कड़ा कर दिया है। इन उपायों के तहत पूरे जिले में अतिरिक्त गश्त, भीड़भाड़ वाले इलाकों में कड़ी निगरानी और चेक-पोस्ट पर विशेष रूप से देर रात या सुबह के समय सघन जाँच की जा रही है। 26/03/2026 को दीव इलाके में गश्त के दौरान दीव पुलिस के स्पेशल स्टाफ टीम के हेड कांस्टेबल जितेंद्र वी. पंड्या और पुलिस कांस्टेबल केतन राठौड़ को एक गुप्त सूचना मिली कि कोई अज्ञात व्यक्ति हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल का इस्तेमाल करके घोघला जेटी के पास शराब की तस्करी कर रहा है। जाँच करने पर मोटरसाइकिल के टैंक और उसके साथ ले जाए जा रहे एक बैग से इंडियन मेड फॉरेन लिकर बरामद हुई। संदेह है कि इस शराब को अवैध रूप से गुजरात राज्य में ले जाया जा रहा था। कुल मिलाकर अवैध आईएमएफएल जप्त की गई और आगे की कार्रवाई के लिए इसे दीव के आबकारी विभाग को सौंप दिया गया। इस दौरान पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया। जिसमें चौहान याकूब इब्राहिम (40) निवासी धोबीवाड़ा के सामने, चौहान शेरी, ऊना, गिर सोमनाथ, गुजरात और कुरैशी सतार इस्माइल (54) निवासी नईवाड़ा, कोट विस्तार, गिर सोमनाथ, गुजरात शामिल है। पुलिस ने अवैध शराब के साथ हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल भी जप्त कर लिया है। जप्त की गई शराब को आबकारी विभाग को सौंप दिया गया है और हिरासत में लिए गए व्यक्तियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

CHANGE OF NAME
I HAVE CHANGED MY NAME FROM PANCHAL DIPABEN DILIPBHAI TO DIPA DILIP PANCHAL AS PER DOCUMENT

CHANGE OF NAME
I HAVE CHANGED MY NAME FROM JHA KRUNALKUMAR GANESHBHAI TO KRUNAL JHA AS PER DOCUMENT

CHANGE OF NAME
I HAVE CHANGED MY NAME FROM **ARUN**
TO ARUN PANDURANG CHONKER
ADDRESS: 1-84/S-3, WELCOME MARKET, KANSARWAD, NANI DAMAN-396210.

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)